RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ●09 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 341 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

प्रथम शैलपुत्री

नवरात्रि उत्सव के दौरान मां दुर्गा के नौ विभिन्न रूपों का सम्मान एवं पूजा की जाती है। जिसे नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है। मां दुर्गा का पहला ईश्वरीय स्वरुप शैलपुत्री है। शैल का अर्थ है शिखर शास्त्रों में शैलपुत्री को पर्वत (शिखर) की बेटी के नाम से जाना जाता है।

रूस ने भारत से निभाई दोस्ती

यूक्रेन युद्ध के बाद भी भेजी ईगला मिसाइल

● चीन-पाकिस्तान के विमानों की खैर नहीं, आएगी शामत

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन युद्ध में फंसे होने के बाद भी रूस ने भारत से दोस्ती निभाई है और ईगला एयर डिफेंस सिस्टम की पहली खेप भारत को भेज दी है। इसके तहत भारत को 100 ईगला मिसाइलें मिली हैं। भारत और रूस के बीच हुई डील के तहत 24 मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम और 100 मिसाइलें रूस से मिली हैं और बाकी का भारत में ही निर्माण किया जाएगा। इस मिसाइल के मिलने के साथ ही भारत की बहुत कम दूरी की एयर डिफेंस क्षमता में काफी बढ़ोत्तरी होगी। इससे पहले भारत ने साल 2021 में इमरजेंसी खरीद के तहत रूस से 24 लांचर और 216 मिसाइलें खरीदी थीं लेकिन ताजा डील काफी बड़ी है। इगला एस सिस्टम में एक सिंगल लॉन्चर और एक मिसाइल होती है। भारत ने पिछले साल नवंबर महीने में 120 लॉन्चर और 400 मिसाइलों को खरीदने की डील की थी। रूस ने भारत को तकनीक ट्रांसफर की है और अब ये मिसाइलें तथा लॉन्चर हिंदुस्तान में ही बनेंगे। इगला एस मिसाइल को भारत की उत्तरी सीमा पर पहाड़ी इलाकों में तैनात सैनिकों को दिया जाएगा।

माधवी लता की सुरक्षा में 11 कमांडो तैनात

● आईबी की रिपोर्ट के बाद केन्द्र ने बढ़ाई सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी माधवी लता की सुरक्षा को केंद्र सरकार ने बढ़ा दिया। खुफिया एजेंसी आईबी की रिपोर्ट के बाद सरकार ने माधवी लता की सिक्योरिटी में 11 कमांडो को तैनात किया है। माधवी लता सोशल मीडिया पर हिंदुत्व समर्थक के रूप में मशहूर हैं और तीन तलाक पर अपने बयानों के बाद चर्चा में आई थीं, जो अब हैदराबाद से एआईएमआईएम चीफ ओवैसी के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। माधवी लता को गृह मंत्रालय ने जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा दी है। गृह मंत्रालय ने आईबी की थ्रेट रिपोर्ट का आधार पर भाजपा प्रत्याशी माधवी को सुरक्षा दी है। जेड प्लस कैटेगरी में आर्म्ड पुलिस के 11 कमांडो तैनात किए जाते हैं, जिसमें पांच पुलिस के स्टैटिक जवान होते हैं।

चैत्र नवरात्रि आज से, घर-घर विराजेंगी माता

तीन राजयोग में होगा हिंदू नववर्ष का आरंभ, भक्त रखेंगे उपवास

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैदिक ज्योतिष अनुसार हर साल हिंदू नववर्ष और नव विक्रम संवत्सर की शुरुआत चैत्र नवरात्रि के प्रतिपदा दिन से होती है, जो कि इस साल 9 अप्रैल दिन मंगलवार से हो रही है। वहीं इस बार हिंदू नववर्ष पर 3 बेहद शुभ योग और राजयोग बन रहे हैं। जो है सर्वार्थ सिद्धि योग, गजकेसरी राजयोग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। जिससे अगला एक साल कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ रहेगा। साथ ही पूरी साल इन राशियों की धन- संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। नवरात्रि में देवी दुर्गा की पूजा के साथ ही मंत्र जप और ध्यान करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन को शांति मिलती है। इन दिनों में छोटी-छोटी कन्याओं को भोजन भी करना चाहिए। भोजन के बाद कन्याओं का पूजन करें। कन्याओं को लाल चुनरी ओढ़ाएं। दक्षिणा दें। पढ़ाई के लिए जरूरी चीजें भेंट करें। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, नवरात्रि रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए। स्नान के बाद घर के मंदिर में पूजा करें। पूजा के साथ ही मंत्र जप और ध्यान भी जरूर करें। सुबह-सुबह किए गए जप और ध्यान से ऊर्जा और उत्साह बना रहता है। आलस दूर रहता है। ध्यान करने से शरीर को स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना की जाती है। चैत्र नवरात्रि का आरंभ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। नवरात्रि के पहले दिन शुभ मुहूर्त में ही घटस्थापना जिसे कलश स्थापना भी कहा जाता है की जाती है। मंगलवार 9 अप्रैल को सुबह 7 बजकर 32 मिनट तक पंचक रहने वाले हैं। इसलिए घटस्थापना इस समय या इससे पहले करना संभव नहीं है। इसके बाद 9 बजकर 11 मिनट से अशुभ चौघड़िया रहेगा। इसलिए घट स्थापना शुभ चौघड़िया यानी 9 बजकर 12 मिनट से 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगी। इसलिए इस दौरान घटस्थापना की जा सकती है। घटस्थापना के लिए सर्वोत्तम मुहूर्त अभिजीत मुहूर्त है।

शहर में मॉर्निंग वॉक के दौरान मधुमक्खियों ने किया हमला

● चार इमली के पास एकांत पार्क की घटना, कई लोगों को काटा

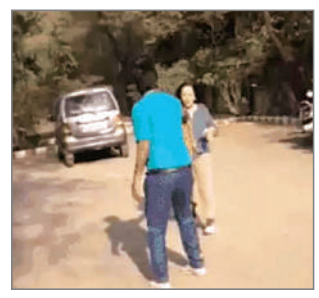

भोपाल। भोपाल के लिंक रोड नंबर-3 स्थित एकांत पार्क में सोमवार को मॉर्निंग वॉक करने गए लोगों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इससे कई लोग घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। एकांत पार्क शहर के पॉश इलाके चार इमली के पास है। जहां सुबह और शाम सैकड़ों लोग वॉक करने के लिए पहुंचते हैं। सोमवार सुबह भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। तभी यहां पर मधुमक्खी उड़ने लगी। जिनकी चपेट में कई लोग आ गए। गनीमत रही कि कोई गंभीर रूप से जख्मी नहीं हुआ। अचानक मधुमक्खी कैसे उड़ी। यह पता नहीं चल सका है। वहीं, जख्मी लोग भी अपने-अपने इंतजाम से इलाज कराने हॉस्पिटल पहुंच गए।

मैं सिर उठाकर चलता हूं धमकी से डरने वाला नहीं

लाठी मारने वाली बात पर जगदलपुर में खूब दहाड़े पीएम मोदी

बस्तर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी रैली का आगाज कर रहे हैं। पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को छत्तीसगढ़ में वोटिंग है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विजय संकल्प शंखनाद रैली को संबोधित किया है। प्रधानमंत्री के पहुंचने के बाद बीजेपी नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया है। साथ ही रैली को लेकर संगठन की तरफ से भी जबरदस्त तैयारी की गई थी। पीएम मोदी ने कहा कि मैं धमकियों से डरने वाला नहीं हूं। भ्रष्टाचारियों को जेल भेजकर ही मानूंगा। पीएम मोदी ने रैली की शुरुआत अपने पुराने दोस्त बलिराम कश्यप को याद करते हुए की है। साथ ही वहां उमड़ी भीड़ को देखकर पीएम मोदी गदगद नजर आए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ही नहीं बनाएगी बल्कि विकसित भारत की आधारशिला भी रखेगी। लोगों के विश्वास के कारण पूरा देश कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने गरीबों को हक दिया है। बस्तर संभाग से ही हमने आयुष्मान योजना की शुरुआत की थी। इससे गरीब को सस्ता इलाज मिलता है। देश के करोड़ों गरीबों को इस योजना की वजह से इलाज हुआ है। पीएम मोदी ने बस्तर से नया नारा दिया है कि बचत बढ़ाए बार-बार फिर से एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि आने वाले पांच सालों तक लोगों को मुफ्त राशन मिलता रहेगा। हमने खर्च कम करवाए हैं और लोगों के बचत बढ़ाए हैं। वहीं, पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के समय में देश की पहचान भ्रष्टाचार की वजह से थी। 2014 से पहले लाखों करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार होता था। बीजेपी सरकार ने व्यवस्था बदल दी है। पहले रुपए एक भेजो और 15 पैसे पहुंचे, ये जादू का खेल खत्म हो गया है। 34 लाख करोड़ हमने गरीबों को दिए हैं, राजीव गांधी वाली व्यवस्था होती तो 28 लाख करोड़ गायब हो जाता।

राजधानी सहित प्रदेश में हुई जोरदार बारिश

● कोलार में चली तेज आंधी, सागर-रायसेन में गिरे ओले

भोपाल। भोपाल में सोमवार दोपहर तेज बारिश हुई। कोलार इलाके में तेज आंधी भी चली। सुबह से शहर में बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में आंधी के साथ तेज बारिश का अनुमान जताया है। इससे पहले रविवार को भी दिनभर धूप-छांव और बूंदाबांदी के बाद शाम को तेज बारिश हुई थी। मौसम विभाग ने 11 अप्रैल तक भोपाल में बारिश के साथ ओले गिरने का भी अलर्ट जारी किया है। 9 अप्रैल को असर ज्यादा रहेगा। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी आने की वजह से प्रदेश में मौसम बदला है। इसका असर भोपाल में भी दिखाई दे रहा है। अप्रैल महीने में भोपाल में तेज गर्मी और बारिश का ट्रेंड है। पिछले 10 साल में टेम्प्रेचर 42 से 43 डिग्री के पार पहुंच चुका है, जबकि 2014 से 2023 के बीच 10 में 7 साल बारिश भी हो चुकी है। वर्ष 2014 से 2023 के बीच 7 साल बारिश हुई है। साल 2016, 2017 और 2022 को बारिश नहीं हुई थी, जबकि पिछले साल 22.6 मिमी यानी, पौन इंच से अधिक पानी गिरा था। जिस तरह ठंड दिसंबर-जनवरी और बारिश जुलाई-अगस्त में सबसे ज्यादा होती है, उसी तरह गर्मी के दो प्रमुख महीने-अप्रैल और मई है। अप्रैल में दिन का टेम्प्रेचर बढ़ने और हवा का दबाव का कम होने लगता है। उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से कभी-कभी बारिश का दौर भी रहता है। आकाशीय बिजली चमकने, गरज-चमक के साथ बारिश भी हो जाती है। भोपाल में अप्रैल में औसत बारिश 4.8 मिमी है। एक से दो दिन बारिश के रहते हैं। मध्यप्रदेश में फिर ओले-बारिश और तेज हवा का दौर शुरू हो गया है। सागर और नर्मदापुरम में दोपहर 3 बजे के बाद मौसम बदल गया। सिंगरौली, सागर के गौरझामर, देवरी और नर्मदापुरम के बनखेड़ी सहित आसपास के इलाकों में बारिश के साथ ओले गिरे हैं। वहीं, भोपाल में सुबह से बादल छाए रहे। दोपहर में बारिश हुई।

डॉक्टर बनने के बाद शिवराज से मिले सिवनी के सतीश

● पिता हुए भावुक बोले-तीन एकड़ की खेती में बेटे को डॉक्टर बनाना संभव नहीं था

भोपाल। सिवनी जिले के छुई गांव के रहने वाले सतीश ठाकुर को भोपाल के चिरायु मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री मिली। डिग्री मिलने के बाद सतीश ठाकुर अपने पिता बराती ठाकुर के साथ आज सुबह पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान से मिलने पहुंचे। पूर्व सीएम शिवराज से मुलाकात के दौरान सतीश के पिता भावुक नजर आए। उन्होंने पूर्व सीएम से कहा कि बेटे के डॉक्टर बनने का सपना आपकी वजह से पूरा हुआ है।

मेरे पास तो मात्र ढाई-तीन एकड़ जमीन है। मेरे लिए ये संभव नहीं था। दरअसल, साल 2018 में सिवनी के छुई निवासी सतीश ठाकुर का मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के जरिए एमबीबीएस के लिए सिलेक्शन हुआ। भोपाल के चिरायु मेडिकल कॉलेज में सतीश को दाखिला मिला। मप्र सरकार की मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना से एमबीबीएस की ट्यूशन फीस के करीब 45 लाख रुपए सरकार ने भरे। यह योजना साल 2017 में शुरू हुई और अगले ही साल सतीश को इसका फायदा मिला। डॉ. सतीश ठाकुर ने बताया कि वे तीन भाइयों में सबसे छोटे हैं। सबसे बड़े भाई आयुर्वेदिक डॉक्टर (बीएएमएस, एमडी) हैं। दूसरे नंबर के भाई किसान हैं। मेरा 2018 में एडमिशन में एमबीबीएस में हुआ।

राहुल बोले-आदिवासी ही इस देश के पहले मालिक

युवाओं को एक साल अप्रेंटिस का वादा, सिवनी में कहा-स्कॉलरशिप दोगुनी करेंगे

सिवनी/शहडोल (एजेंसी)। कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी सिवनी जिले के धनौरा लोकसभा प्रत्याशी ओमकार सिंह मरकाम के पक्ष में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आदिवासी इस देश के और इस जमीन के पहले मालिक हैं। राहुल ने कहा, मध्यप्रदेश में एक भाजपा नेता ने आदिवासी के सिर पर पेशाब किया। ये इनकी विचारधारा है। राहुल ने युवाओं को 30 लाख सरकारी नौकरी, एससी, एसटी और ओबीसी के छात्रों को दोगुनी स्कॉलरशिप, किसानों को एमएसपी और गरीब महिलाओं के खाते में हर साल एक लाख रुपए जमा करने का वादा किया। राहुल ने आदिवासी वोटरों पर फोकस किया। उन्होंने कहा- जहां 50 फीसदी आदिवासी आबादी है, वहां छटवीं अनुसूची लागू करेंगे, ताकि आदिवासी अपने निर्णय खुद ले सकें। राहुल दोपहर 4 बजे शहडोल के बाणगंगा मेला ग्राउंड में फुंदेलाल मार्को के पक्ष में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। आदिवासी युवाओं की शिक्षा के लिए कर्ज माफ नहीं किया। किसानों का कर्जा माफ नहीं किया। मगर सबसे बड़े अरबपतियों का 16 लाख करोड़ माफ किया। इतना पैसा मनरेगा को चलाने में 24 साल में खर्च होता। आप कर्जा लेने जाते हैं आपको भगा देते हैं। दो हिंदुस्तान बन रहे हैं। एक अरबपतियों का, यहां पलायन होता है। यहां रोजगार नहीं मिलता। अमीरों के यहां काम करते हैं।

शिवराज ने कहा-सांसद बनूंगा, लोग बोले-

मुख्यमंत्री बनोगे

● पूर्व सीएम का पांढुर्णा की जनता को जवाब-ऐसे कह रहे,जैसे आपको ही बनाना है

भोपाल। पांढुर्णा में सभा करने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से जनता ने कहा, भाई साहब, आप मुख्यमंत्री बनोगे। इसके जवाब में शिवराज मुस्कुराकर बोले, ऐसे कह रहे, जैसे आपको ही बनाना है। पूर्व सीएम ने सोमवार को पांढुर्णा के बड़चिचोली में छिंदवाड़ा से लोकसभा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के समर्थन में सभा की। पूर्व गृह मंत्री एवं भाजपा न्यू जॉइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर पलटवार किया। पटवारी ने भाजपा के स्थापना दिवस पर एक लाख से अधिक लोगों की बीजेपी जॉइन करने के दावे को फर्जी बताया था। इस पर नरोत्तम ने कहा कि पटवारी का स्वभाव झूठ बोलकर चरित्र हत्या करने

वाला है। पांढुर्णा में सभा में पूर्व सीएम शिवराज ने कहा कि, मैं नाम लेकर किसी की बुराई नहीं करता, लेकिन हिसाब-किताब तो मांगो कि 5 साल में किया क्या है। लेना न देना, मगन रहना, बाकी कुछ किया ही नहीं है। क्या करोगे ऐसे सांसद का। उन्होंने आगे कहा, हमारे उम्मीदवार बंटी साहू भी दिन और रात लगातार आपकी सेवा करेंगे। अगर मैं भी सांसद बन जाऊंगा तो थोड़ा - बहुत धर्म मैं भी निभाऊंगा। मामा भी तो बुरा नहीं है। उनके इतना कहते ही लोग बोले कि आप मुख्यमंत्री बनोगे। इसके जवाब में पूर्व सीएम ने कहा, मेरा एक प्रण पक्का है, आपके सेवक का, वो जन्म भर रहेगा। पांढुर्णा के बड़चिचोली से पूर्व मुख्यमंत्री छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा विधानसभा के धनौरा के लिए रवाना हुए।

ईद की खरीददारी से बाजार गुलजार, जमकर उमड़ी भीड़

भोपाल। ईद की खरीदारी से भोपाल के बाजारों में रौनक है। यहां देर रात तक खरीदारी की जा रही है। कपड़ों से लेकर सेवइयां की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ है। सेवइयां, मेवा, कपड़ा, जूते, टोपी, रूमाल, इत्र, चूड़ी की दुकानों पर सुबह से देर रात तक ग्राहकों की भीड़ लग रही है। ईद को लेकर शहर में उत्साह भी देखा जा सकता है। ईदगाह पर साफ-सफाई की जा रही है। रमजान के मार्केट में पहली बार बच्चों के लिए हीरे जैसी डिजाइन वाली टोपियां आई हैं। दुकानदार जुबैर ने बताया कि इस बार अफगानी, ईरानी स्टाइल की टोपियां ट्रेड में हैं। इसके अलावा तुर्की की जा-नमाज (नमाज पढ़ने वाली बिछात) आई है। मार्केट में कई खास किस्म के इत्र भी आए हैं। जगह-जगह इसके लिए अलग से दुकानें लगाई गई हैं।

लाइटिंग से जगमगाया चारबत्ती चौराहा, बच्चों के लिए आई 'हीरे वाली टोपी'

शहर के बुधवारा चौराहे (चारबत्ती) पर खूबसूरत लाइटिंग की गई है। इसके अलावा यहां की रौनक इसलिए देखते ही बनती है कि यहां जहां एक तरफ फूड मार्केट बना हुआ है तो दूसरी तरफ यहां पर खरीदारी के लिए कई तरह के कपड़ों, जूतों और इत्र आदि की दुकानें भी मौजूद हैं। यहां का बाजार सुबह करीब 4 बजे तक खुला रहता है। इसके अलावा यहां पर करीब 70 से अधिक फूड पाइंट अलग से रमजान के लिए बनाए गए हैं। वहीं यहां पर पहली बार एक अलग किस्म की सजावट भी की गई है। ईदुल-फितर 10 व 11 अप्रैल को मनाई जाएगी। इसके लिए ईदगाह में जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राजधानी भोपाल में ताज उल मसाजिद, मोती मस्जिद और जामा मस्जिद के अलावा शहर की कई मस्जिदों में नमाज-ए-ईद अदा की जाएगी।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, मंगलवार 09 अप्रैल, 2024

संक्षिप्त समाचार

जिले से पशु चारा-भूसा के निर्यात पर लगाया गया है प्रतिबंध

रायसेन (निप्र)। जिले में पशु चारा एवं भूसा की कमी की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए पशुओं को पर्याप्त मात्रा में चारा-भूसा की आपूर्ति बनाए रखने हेतु कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा तत्काल प्रभाव से जिले से अन्य राज्यों में पशु चारे-भूसा का निर्यात प्रतिबंधित किया गया है। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा जारी आदेश के तहत पशु आहार में आने वाले सभी प्रकार के चारे, भूसा, घास, कड़वी ज्वार के डंठल, पैरा धान के डंठल आदि का जिले से अन्य राज्यों में निर्यात, उद्योगों एवं ईट के भट्टे में जलाने को मप्र चारा निर्यात नियंत्रण आदेश 2000 में निहित प्रावधानों के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से 30 जून 2024 तक प्रतिबंधित किया गया है। कोई भी कृषक, व्यापारी, निर्यातक व्यक्ति किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित पशु चारा एवं भूसा का परिवहन किसी वाहन, नाव, मोटर, रेल या किसी भी यान द्वारा रायसेन से राज्य से बाहर कलेक्टर द्वारा प्राधिकृत अधिकारी की अनुज्ञा पत्र के निर्यात नहीं करेगा। इस संबंध में संबंधित एसडीएम को अनुज्ञा पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।

फांसी लगाकर युवक ने जान दी

नर्मदापुरम(निप्र)। मालाखेड़ी निवासी युवक उमेश यादव (45) ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अभी फांसी लगाने का कारण साफ नहीं हुआ है। पुलिस ने मर्ग कायम कर पीएम कर दिया है। पुलिस ने बताया कि जांच के बाद ही तथ्य सामने आएंगे।

अखंड महानाम संकीर्तन 14 अप्रैल से

नर्मदापुरम(निप्र)। बंगाली कॉलोनी स्थित रामकृष्ण नगर में अखंड महानाम सकीर्तन मांगलिक अनुष्ठान 14 अप्रैल से शुरू होगा। आयोजन समिति के राजेश बोस ने बताया आयोजन का यह ग्यारहवां वर्ष है। रविवार को कलश यात्रा व गंगाजली पूजन दोपहर 3 बजे व अधिवास रात्रि 8 बजे होगा। 15 अप्रैल सोमवार को अखंड महानाम संकीर्तन सुबह 6 बजे से 16 अप्रैल तक चलेगा। नगर संकीर्तन सुबह 8 बजे होगा। इसके बाद समापन कार्यक्रम होगा। 15 अप्रैल को भंडारा और 16 अप्रैल को महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। आयोजन में पंडित दामोदर महाराज मथुरा-वृंदावन सहित भजन मंडलियों में प्रतिमा संप्रदाय चोपना, राजलक्ष्मी उत्तम मंडल संप्रदाय चिकलपट्टी, श्रीवृंदा संप्रदाय सुनील मालाकार दुर्गापुर, श्रीशिव संप्रदाय, शिवसागर को आमंत्रित किया है।

आमजन मिलावट खोरी से रहें सावधान

सीहोर (निप्र)। मिलावट खोरी से सावधान मिलावट पर रोकथाम के लिए व्यापक तहत जिला स्तर पर खाद्य सुरक्षा विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति, नापतौल, पुलिस, राजस्व, दुग्ध संघ आदि विभागों की संयुक्त टीम बनाकर नियमित निरीक्षण एवं कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। अभियान में संवेदनशील क्षेत्र का चिन्हांकन कर नियमित जांच और सर्विलेंस प्लान तैयार कर प्रभावी कार्यवाही की जायेगी। आमजन से मिलावट के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। उपभोक्ता मिलावट की शिकायत टोल फ्री नंबर 1800112100 एवं सी.एम. हेल्पलाइन नंबर 181 पर कर सकते हैं । मिलावटी खाद्य पदार्थ के निर्माण में लिप्त प्रतिष्ठानों पर की जायेगी कठोर कार्यवाही आयुक्त ने चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, मैजिक बॉक्स के माध्यम से स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राओं को खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच करने संबंधी प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रत्येक विद्यालय में खाद्य सुरक्षा जागरूकता के लिए विद्यार्थियों का हेल्थ क्लब गठित किया जाएगा। आंगनवाड़ी केन्द्रों, स्कूलों के मध्याह्न भोजन खाद्य सामग्री की जाँच मैजिक बॉक्स, चलित खाद्य प्रयोगशालाओं के माध्यम से की जाएगी। अभियान में लायसेंस रजिस्ट्रेशन की जांच, मिलावटी खाद्य पदार्थ के निर्माण में लिप्त प्रतिष्ठानों पर जप्ती, सीलिंग की कार्यवाही की जाएगी।चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला से दूध, दुग्ध उत्पाद के नमूनों, खाद्य तेल एवं मसालों की अधिकतम जांच, समस्त क्षेत्रों विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम किये जायेंगे। मिलेट आधारित भोजन के प्रोत्साहन तथा उपयोग को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से मिलेट मेले का आयोजन किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में भी ईट-राइट गतिविधियाँ तथा जनजागरूकता अभियान विभिन्न विभागों के सामंजस्य से आयोजित किए जाएँगे।

टीमवर्क की भावना से सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया को सम्पन्न कराएंः कलेक्टर वैद्य

राजस्व और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त कार्यशाला का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 को विदिशा जिले में शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराने के लिए सभी को टीमवर्क की भावना से चुनावी कार्यो को करना होगा। किसी एक की गड़बडी से पूरे जिले का नाम प्रभावित होता है। अतः जिले में लोकसभा निर्वाचन के दौरान कही भी कोई गड़बडी ना हो यह हम सबका नैतिक दायित्व है। उक्त आश्य के विचार कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने शनिवार को राजस्व, पुलिस अधिकारियों की संयुक्त कार्यशाला में व्यक्त किए है। कलेक्टर श्री वैद्य ने कलेक्टेउट के बेतवा सभागार में आयोजित संयुक्त कार्यशाला में कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा हरेक बिन्दुवार लिखित दिशा निर्देश जारी किए जाते है बस हम सब उसका बारिकी से अध्ययन कर पालन करना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचरण संहिता का स्वंय पालन करें और दूसरो को सीख दें। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा क आपसी समन्वय व टीमवर्क से कार्यो के क्रियान्वयन में व्यवधान बहुत कम आते है। उन्होंने पूर्व अनुभवों के आधार पर त्रुटिरहित सम्पूर्ण प्रक्रिया पर बल देते हुए कहा कि जिस भी व्यक्ति के द्वारा त्रुटि की जाती है वह स्वंय तो जिम्मेदार होता ही है साथ ही साथ जिले की ख्याति भीप्रभावित होती है। अतः भूल से भी ऐसी कोई त्रुटि ना हो जिससे बाद में पछताना पडे और दण्ड के सहभागी बनें।

कलेक्टर श्री वैद्य ने मतदाता जागरूकता के तहत आमजनों तक अधिक से अधिक संदेश पहुंचे और यह बार-बार पहुंचे ताकि मतदान के प्रति सब में ललायत बढें ताकि विदिशा जिला प्रदेश में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत से जाना जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्धारित प्रपत्रों की जानकारियां समय सीमा पर उपलब्ध कराना आवश्यक है। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने कहा कि चुनाव ही ऐसा पर्व होता है जहां हमें सौ प्रतिशत उपलब्धि दर्ज करानी होती है। हम सबके समक्ष यह चुनौतीपूर्ण कार्य है किन्तु सही तरीके नियमावली से किए गए कार्यो से कही कोई दिक्कत नहीं होती है। उन्होंने राजस्व, पुलिस अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्रो में टीमवर्क की भावना को मिसाल के रूप में स्थापित करें। ताकि ग्रास रूट तक के कर्मचारी भी टीमवर्क की प्रेरणा द्योतक बनें।

पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने कहा कि निर्वाचन के दौरान कार्यवाहियां करने का सर्वोच्च अवसर होता है। अतः हमारी ऐसी कोई कार्यवाही से आरोप प्रत्यारोप ना लग पाए इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान स्वंय तटस्थ रहें और अपने कार्यो में इस बात का प्रदर्शन भी हो। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा जिन विषयों पर समीक्षा की जाती है उन क्षेत्रो में विदिशा जिला पिछडे ना इसके लिए टीमवर्क की भावना का जो मूलमंत्र दिया गया है के क्रियान्वयन में कोई भी अधिकारी पीछे ना रहें। उन्होंने लोकसभा निर्वाचन के दौरान पुलिस नाकाबंदी के संबंध में क्रियान्वित प्रक्रिया पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि आने जाने वाले अनावश्यक रूप से परेशान ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। एसएसटी व एफएसटी की कार्यवाही की सम्पूर्ण रिकार्डिंग की जाए। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने कहा कि विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं में एसएसटी, एफएसटी, व्हीएसटी के दल गठित किए जा चुके है। उक्त दल नियत कार्यक्षेत्र पर दस तारीख से पूर्ण क्रियाशील हो जाए ताकि अधिसूचना जारी तिथि 12 अप्रैल के पहले पूरा नेटवर्क छानबीन के कार्यो में लग जाए। उन्होंने बताया कि हरेक विधानसभा के नाम से तीन-तीन अर्थात जिले में कुल 15 एसएसटी की टीम गठित की गई है। जिसमें 45 अधिकारी, कर्मचारी संलग्न किए गए है वहीं पांच व्हीएसटी टीम,15 एफएसटी टीम भी गठित की गई है।

तीनो टीमो के लिए 35 अधिकारी, कर्मचारी रिजर्व में रखे गए है। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने जिले की पांचो विधानसभाओं के क्रिटिकल, बल्नेरबल मतदान केन्द्रो की संख्यात्मक व लोकेशन पर भी प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि बाउण्डओवर की कार्यवाही हरेक थाने में शत प्रतिशत होना चाहिए। इस कार्य में कही भी कोई चूक नहीं होना चाहिए। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने लोकसभा निर्वाचन के दौरान कानून व्यवस्था को बनाए रखने हेतु जांच पड़ताल, सीमाओं को सील कर सघन जांच करना, चेकपोस्टों पर सघन जांच के अलावा विभिन्न रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड, धर्मशाला, होटलो की जांच करने के कार्यो पर बल दिया है।

उन्होंने कहा कि अवैध धरपकड़ संबंधी कार्यवाहियां शीघ्र संपादित की जाए ताकि किसी भी प्रकार से भय जैसा माहौल ना बन पाए। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने सायबर सेल के माध्यम से सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे संदेशो का सतत रूप से पर्यवेक्षण किए जाने, आपत्तिजनक, विकृत संदेश, पोस्ट प्रसारित होना पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ त्वरित कार्यवाही संपादित करने पर विशेष मार्गदर्शन दिया है। उन्होंने एफएसटी, एसएसटी द्वारा जप्त नगदी, आभूषण मुक्त किए जाने के संबंध में प्रक्रिया की कार्यवाही को भी रेखांकित किया है।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए 15 बीएलओ होंगे सम्मानित

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के द्वारा सोमवार को टीएल बैठक के उपरांत जिले की पांचो विधानसभाओं के सर्वाधिक मतदान प्रतिशत वाले शीर्ष तीन-ती बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदाय कर पुरस्कृत किया जाएगा। विधानसभा निर्वाचन 2023 में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत वाले शीर्ष तीन-तीन बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) इस प्रकार कुल 15 बीएलओ को पुरस्कृत किया जाएगा। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 144विदिशा के मतदान केंद्र क्रमांक 91 जीवाजीपुर की बीएलओ श्रीमती सीमा श्रीवास्तव, 68 पांझ के बीएलओ श्री विजय कुमार कुशवाहा, 95 माधौपुरा के बीएलओ श्री पप्पू कुशवाहा को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 145 बासौदा के मतदान केंद्र क्रमांक 213 धुरेरा के श्री बलवंत सिंह रघुवंशी, 249 मेहदोन के श्री भारत सिंह अहिरवार, 225 बेरखेड़ी की श्रीमती सीमा जैन, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 146 कुरवाई के मतदान केंद्र क्रमांक 114 खिरिया के श्री गणेशराम प्रजापति, 169 जौनाखेड़ी के श्री हरिराम अहिरवार, 244 के श्री प्रमोद अहिरवार, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 147 सिरोंज के मतदान केंद्र क्रमांक 167 आमखेड़ा के श्री सुभाष राय, 236 कमरिया के श्री प्रमोद शाक्य, 44 नयानगर के श्री वीरेंद्र भिलाला, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 148 शमशाबाद के मतदान केंद्र क्रमांक 138 नहरियाई के श्री वीरेंद्र सिंह यादव, 114 महूठा 2 के श्री राजेंद्र सिंह सिसोदिया तथा मतदान केंद्र क्रमांक 55 डलापाटई के श्री मौजीलाल प्रजापति को प्रशस्ति पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया जाएगा।

चार आदतन अपराधियों पर जिला बदर की कार्यवाही हुई

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री बुद्धेश कुमार बैद्य ने जिले के चार आदतन अपराधियों को एक-एक वर्ष के लिए जिला बदर के आदेश पारित किये हैं। इन आदतन अपराधियों द्वारा गंभीर अपराध घटित करने जैसे लोगों के साथ मारपीट करना, जान से मारने की धमकी देना, हत्या अडीबाजी, बलवा जैसे जघन्य सामाजिक अपराध घटित कर माहौल खराब कर आमजनों को परेशान करने के कारण, पुलिस अधीक्षक विदिशा के प्रतिवेदन एवं सुनवाई, पक्ष समर्थन पश्चात मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क) (ख) के अधीन एक-एक वर्ष की कालावधि के लिए जिला विदिशा एवं सीमावर्ती जिले, रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर एवं राजगढ की राजस्व सीमाओं से अनावेदक नितिन सरवैया पुत्र दिनेश सरवैया निवासी बांसकुली कस्वा विदिशा, थाना कोतवाली विदिशा, अरविन्द पुत्र बैजनाथ गुर्जर निवासी ग्राम सिरवदा थाना देहात गंजबासौदा, संतोष पुत्र शंकरलाल अहिरवार निवासी ग्राम बीरवाई थाना हैदरगढ, भारत कुचबंदियां पुत्र महेश कुचबंदिया निवासी शेरपुरा टीला थाना सिविल लाईन विदिशा को एक-एक वर्ष की कालावधि के लिए जिला बदर निष्कासन के आदेश जारी कर दिए गए हैं।आदेश में उल्लेखित किया गया है कि उक्त अनोवदक एक वर्ष तक की कालावधि के लिए जिला बदर निष्कासन के दौरान विदिशा एवं सीमावर्ती जिले , रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर एवं राजगढ की राजस्व सीमाओं में भी नही रह सकेगें। अनावेदक इन जिलो के न्यायालयों में यदि कोई राजस्व , आपराधिक मामले गतिशील हो तो उन मामलो में तारीख पेशी के दिन उन जिलों के न्यायालय में आ एवं जा सकेगा।

वयस्क बीसीजी टीकाकरण में सहभागी बनने और जागरूकता लाये

सीहोर (निप्र)। टीबी उन्मूलन मिशन की सफलता के लिए जनभागीदारी महत्वपूर्ण है। सभी पात्र नागरिकों से वयस्क बीसीजी टीकाकरण में सहभागी बनने और जागरूकता लाने में सहयोग करने की अपील की है। नागरिकों की सहभागिता, स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता, स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से वर्ष 2025 तक प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने में हम सफल होंगे। वयस्क बीसीजी टीकाकरण किया जा रहा है। नागरिकों का टीबी विन पोर्टल में पंजीयन किया जा चुका है। ऐसे व्यक्ति जो टीबी के मरीज़ रहे हैं, टीबी मरीज़ों के संपर्क व्यक्ति, अति कुपोषित वयस्क, डायबिटीज से ग्रसित वयस्क, 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति और धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों का अभियान के अंतर्गत टीकाकरण किया जायेगा। दुनियाभर में संक्रमण रोगों से होने वाली मौतों में टीबी सबसे ज़्यादा ज़िम्मेदार है।यह परिवार के लिए आर्थिक समस्या का कारण बन सकता है। टीबी के बोझ को कम करने के प्रभावी उपायों में से टीका एक ऐसा उपाय है जिससे टीबी के नए मामलों और मृत्युदर को रोका जा सकता है।

कलेक्टर दुबे के निर्देश पर सभी एसडीएम ने उपार्जन केन्द्रों का किया निरीक्षण किसानों से संवाद कर उपार्जन व्यवस्थाओं की ली गई जानकारी

रायसेन (निप्र)। जिले में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे के निर्देश पर शनिवार को सभी एसडीएम द्वारा अपने क्षेत्रों में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु बनाए गए उपार्जन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार जिले में निर्धारित उपार्जन केन्द्रों पर रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए हैं कि उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण कर एफएक्यू मापदण्ड अनुसार ही गेहूँ का उपार्जन होना, केन्द्रों पर उपार्जन संबंधी समुचित व्यवस्थाएं हो, किसानों की सुविधाओं के दृष्टिगत पेयजल तथा छायादार बैठक व्यवस्था सहित सभी उपार्जन संबंधी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। जिले में सभी एसडीएम द्वारा निरीक्षण के दौरान उपार्जन केन्द्रों पर इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे, गुणवत्ता परीक्षण, सर्वेयर की उपस्थिति, शासन के निर्देशों के अनुरूप एफएक्यू गुणवत्ता की उपज का ही उपार्जन होने, उपज को सुरक्षित रखने हेतु समुचित व्यवस्था, छन्ना, पंखा, क्लीनिंग एवं ग्रेडिंग मशीन, माइश्चर मीटर, किसानों को कृषक तौल पर्ची का वितरण, बारदाना, किसानों के लिए पेयजल, छायादार बैठक व्यवस्था आदि का अवलोकन किया गया। साथ ही केन्द्र प्रभारियों तथा सर्वेयर को निर्देशित किया गया कि शासन के निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप ही उपार्जन कार्य किया जाए।

इटारसी रेलवे जंक्शन पर 1.80लाख रुपए का गांजा पकड़ाया

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम जिले के इटारसी रेलवे जंक्शन पर 1.80लाख रुपए के 12 किलो गांजे की तस्करी करते दो युवकों को पकड़ा गया। दोनों युवक सीहोर के रहने वाले है। आरोपियों को जीआरपी पुलिस, एसएसटी दल एवं आरपीएफ ने ने गिरफ्तार किया। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए गांजे, शराब के परिवहन को रोकने की कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार की शाम को टीआई रामस्नेही चौहान को मुखबिर ने सूचना दी थी कि दो युवक इटारसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6-7 के आउटर पर पिट्ठू बैग में कुछ लेकर खड़े है। सूचना मिलते ही जीआरपी,एसएसटी दल एवं आरपीएफ ने मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों के बैग की तलाशी ली। जिसमें अवैध गांजा पाया गया। दोनों आरोपियो को गांजे के साथ थाने लाया गया। आरोपी यश कल्लू परमार (23) निवासी सिंधी कालोनी सीहोर एवं अभिषेक अहिरवार (23) निवासी सुरेश नगर सीहोर है। आरोपियों के पास से जीआरपी ने 12 किलो गांजा जप्त किया है। जिसकी कीमत करीब 1 लाख 80 हजार रुपय है। जीआरपी ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका एसआई आरएस बकोरिया, एएसआई जगन्नाथ धुर्वे, एएसआई दिनेश चंद्र की रही।

नर्मदापुरम में घर में गैस लीकेज से ब्लॉस्ट

4 गैस-सिलेंडर सुरक्षित, दरवाजे-खिड़की टूटकर बिखरे

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम के रसूलिया क्षेत्र स्थित ऑफिसर कॉलोनी के एक मकान में ब्लॉस्ट से आग लग गई। ब्लॉस्ट इतना खतरनाक हुआ कि घर में रखे फ्रिज, कुर्सी समेत अन्य सामान गिर गए। दरवाजे-खिड़की तक टूट गए। सेकंड फ्लोर पर स्थित वेंटीलेशन का कांच टूटकर सड़क पर बिखर गया। ब्लॉस्ट और आग की चपेट में डेढ़ साल की बच्ची, उसकी मां और दादा चपेट में आ गए।

हादसे की आवाज सुन मोहल्ले के लोग भी डर गए। कुछ देर बाद ही आसपास पड़ोस के लोग एकत्रित होकर मदद के लिए दौड़े। तीनों घायलों को बाहर निकाला और 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल से हादसे के सूचना मिलने के बाद देहात थाना पुलिस मौके पर घटनास्थल पर पहुंची। घर का मेन गेट का दरवाजा, खिड़की क्षतिग्रस्त था। बाथरुम और रुम का दरवाजा, खिड़की पूरी तरह टूटकर बिखरे थे। फ्रिज, किचिन, रुक का सारा सामान बिखरा हुआ मिला। किचिन में पूजन स्थान पर जलने के निशान मिले। जानकारी के मुताबिक रोहित साहू प्राइवेट बैंक में कार्यरत है। जो ऑफिसर कॉलोनी में किराये के मकान में रहते है। घाट से जब वापस आएं, जैसे ही दरवाजा खोला, अचानक से एक तेज आवाज का ब्लॉस्ट हुआ। रोहित साहू का कहना है कि घर में ब्लॉस्ट कैसे हुआ, कुछ समझ में नहीं आ रहा। एलपीजी गैस सिलेंडर और फ्रिज का कंप्रेसर भी ठीक है। घायल सरिता साहू, उनके ससुर लक्ष्मण साहू और बेटी नविता का उपचार जारी है। पुलिस ने हादसे कैसे हुआ, इसकी जांच के लिए फारेसिंक टीम को घटनास्थल पर बुलाया। देहात थाना टीआई प्रवीण कुमार चौहान ने बताया संभावना है कि गैस सिलेंडर या फ्रिज के कंप्रेसर की गैस लीकेज के चलते ब्लॉस्ट हुआ है। जिसमें महिला, पुरुष घायल हुए। बच्ची को मामूली सी चोट है। एफएसएल अधिकारी से घटनास्थल की जांच करा रहे है।

घर में रखे थे चार सिलेंडर, बड़ा हादसा टला : रोहित साहू के किराये के मकान में चार एलपीजी सिलेंडर रखे थे। सभी सिलेंडर सुरक्षित है। अगर आग ज्यादा बढ़ जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। मोहल्ले के लोग घटना को लेकर कुछ भी बोलने से बच रहे।

उत्कृष्ट राजस्व कार्यो को संपादित करने वाले पुरस्कृत हुए

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने शनिवार को राजस्व कार्यो की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों से कहा कि वे विभागीय मूल काम के क्रियान्वयन मामलो में ऐसी ही स्पीड बनाए रखें। उन्होंने राजस्व प्रकरणों के निराकरण मामलो में विदिशा जिला प्रदेश में अव्वल होने पर सभी राजस्व अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करने हेतु शुभकामनाएं अभिव्यक्त की और इसी स्पीड को बनाए रखने पर बल दिया है।कलेक्टेउट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित उक्त बैठक में कलेक्टर श्री वैद्य के द्वारा जिन बिन्दुओं पर गहन समीक्षा की गई उनमें राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा,कलेक्टर न्यायालय व अपर कलेक्टर न्यायालय, समस्त एस.डी.एम. न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण की स्थिति के साथ साथ समस्त तहसीलदार न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण की स्थिति के कार्यों की समीक्षा के आलावा नामान्तरण, बंटवारा,सीमांकन,अतिक्रमण से संबंधित प्रकरणों को शामिल किया गया है। राजस्व वसूली की समीक्षा तहसीलवार , शीर्षवार परिवर्तित भू-राजस्व, उपकर, प्रीमियम , भू-भाटक भू-अर्जन प्रकरण में - भू-अर्जन प्रकरण के निराकरण एवं राशि वितरण की स्थिति तथा आपसी सहमति से भूमि कय प्रस्ताव प्रकरणों की समीक्षा एवं राशि वितरण, रजिस्ट्री की समीक्षा भू-अभिलेख - राष्ट्रीय राजमार्ग के प्रकरणों की स्थिति एवं राशि वितरण की स्थिति। विभिन्न न्यायालयों में प्रचलित रेफरेंस आबीट्रेशन प्रकरण की स्थिति स्वामित्व योजना प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना नक्शा तरमीम,फसल कटाई प्रयोग सीसीई ,मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना (ग्रामीण)खजूरिया जागीर, बरबाई जागीर, खेमखेडी तहसील कुरवाई के रिकार्ड अद्यतीकरण की स्थिति।मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना (शहरी) भूमि आवंटन प्रकरणों की स्थिति।अवमानना प्रकरण , उच्च न्यायालय रिट याचिका विभागवार, तहसीलवार, अनुभागवार,लंबित ऑडिट कण्डिकाएं-तहसीलवार आरबीसी6 (4) के प्रकरण एवं भुगतान की समीक्षा। तथा जनसुनवाई , जनशिकायत , आयोग से प्राप्त शिकायत। सी.एम. हेल्पलाईन एवं लोक सेवा गारंटी अन्तर्गत समय-सीमा बाह्य प्रकरण।वर्ष 2023-24 में जिला कार्यालय, विभागीय कार्यालय,समस्त एस.डी.एम., तहसील के लंबित प्रकरणों इत्यादि की समीक्षा की।

सम्मान

राजस्व प्रकरणो के निराकरण व वसूली कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य मौके पर पुरस्कृत हुए। कलेक्टर व अपर कलेक्टर के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया गया है।राजस्व अधिकारियों की उक्त बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने लोकसभा निर्वाचन के लिए किए जाने वाले प्रबंधो पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा ने पांचो विधानसभाओं के एसडीएम, एआरओ को लोकसभा निर्वाचन के संबंध में जारी दिशा निर्देशो पर प्रकाश डालते हुए वस्तुस्थिति से अवगत कराया है। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा, श्री विनीत तिवारी, सुश्री निकिता तिवारी, डिप्टी कलेक्टर श्री नितिन कुमार जैन के अलावा समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अधीक्षक भू-अभिलेख के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहें।

व्यय प्रेक्षक ने किया एसएसटी चैक पोस्ट का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु लोकसभा संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त व्यय प्रेक्षक मीना कुमारी मीना द्वारा विधानसभा क्षेत्र 121 गाडरवारा अंतर्गत बनाये गये स्स्ज्ञ चेक पोस्ट पनागर का निरीक्षण किया गया एवं एसएसटी दलों को आवश्यक निर्देश दिये गये। तत्पश्चात् उन्होने तहसील कार्यालय सभाकक्ष गाडरवारा में समस्त एईओएस/एफएसटी/वीवीटी/वीएसटी व्यय लेखांकन दल एवं CVigil टीमों की मीटिंग ली। जिसमें सभी टीमों को लोकसभा निर्वाचन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। व्यय प्रेक्षक मीना कुमारी मीना द्वारा सभी टीमों के कार्य की सराहना की गई।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती
3
इंदौर, मंगलवार 09 अप्रैल, 2024

शहर में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का आलम, नहीं भेजी एंबुलेंस की आडिट रिपोर्ट

इंदौर। शहर में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की लापरवाही का आलम यह है कि यहां हर माह मरीजों की सुविधाओं के लिए संचालित एंबुलेंस की आडिट रिपोर्ट तक नहीं भेज रहे हैं। इसके लिए अब राज्य शासन ने निर्देश दिया है कि दो दिन में शहर में स्वास्थ्य विभाग की संचालित सभी एंबुलेंस की आडिट रिपोर्ट तैयार कर भेजें।दरअसल, शहर की एंबुलेंस व्यवस्था की पोल तब खुली थी, जब कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत के काफिले में एंबुलेंस लगाई गई थी। इस दौरान उनके साथ मौजूद नातिन की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। तब एंबुलेंस में डाक्टर ही मौजूद नहीं था। आक्सीजन नहीं होने की बात भी सामने आई थी। प्रोटोकाल अधिकारी को निलंबित करने की कार्रवाई की गई थी, लेकिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा एंबुलेंस सुविधा को लेकर किए जा रहे दावों की पोल खोल दी थी।भोपाल से निर्देश आया है कि सभी पीएचएम अपने-अपने जोन की एंबुलेंस की आडिट रिपोर्ट दो दिन में भेजना सुनिश्चित करें। इधर, जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी डा. मनीषा पंडित का कहना है कि हमारे द्वारा हर माह एंबुलेंस का आडिट किया जाता है। इसकी रिपोर्ट भी भेजी जाती है। भोपाल से ऐसा कोई निर्देश नहीं आया है। यह सामान्य प्रक्रिया है।

मध्यप्रदेश में मतदान दिवस के दिन रहेगा सार्वजनिक अवकाश, अधिसूचना जारी

इंदौर। मध्यप्रदेश में लोकसभा के चुनाव के लिये 4 चरणों में मतदान होना है। राज्य शासन ने प्रत्येक चरण के मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। प्रथम चरण का मतदान 19 अप्रैल 2024 शुक्रवार, द्वितीय चरण का मतदान 26 अप्रैल 2024 शुक्रवार, तृतीय चरण का मतदान 7 मई 2024 मंगलवार और चतुर्थ चरण का मतदान 13 मई 2024 सोमवार को होगा। संबंधित क्षेत्रों में मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश तथा सामान्य अवकाश का दिन होगा।

रोड नहीं तो वोट नहीं

इंदौर। इंदौर की अमृत पैलेस सोसाइटी के निवासियों ने लोकसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार किया है। रहवासियों ने एकजुट होकर अपनी नाराजगी और आक्रोश का प्रदर्शन किया। दरअसल, सोसाइटी की मुख्य सड़क और अन्य सड़कों का निर्माण न होने की वजह से यहां के रहवासी नाराज हैं। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने दिसंबर 2023 में यहां पर सड़क बनने का उद्घाटन भी किया था लेकिन बाद में काम शुरू नहीं हो पाया।नो रोड नो वोट के पोस्टर लगाए सोसाइटी के निवासी नो रोड, नो वोट के नारे के साथ सभी जगह पोस्टर्स लगा रहे हैं। रहवासियों का कहना है कि चुनावी समय पर नेताओं के द्वारा बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं लेकिन चुनाव के बाद इनकी ओर किसीका ध्यान नहीं जाता। समाज के लोगों का कहना है कि उन्हें बेहतर सड़कों के लिए बहुत समय से इंतजार करना पड़ रहा है और अब उनका धैर्य जवाब दे रहा है। सोसाइटी के निवासियों ने शहर के मेयर और संबंधित प्राधिकरणों से अपने वादे पूरे करने और तत्काल सड़कों के निर्माण की दिशा में कदम उठाने की मांग की है। सोसाइटी के सदस्यों का कहना है कि अगर उनकी मांगों पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया तो वे आगामी चुनावों में अपने वोट का उपयोग विरोध स्वरूप करेंगे। वे घर घर जाकर वोट नहीं देने का जागरण करेंगे। अमृत पैलेस सोसाइटी के निवासियों की इस आवाज को उचित प्लेटफॉर्म पर सुना जाना चाहिए और उनके समस्याओं का समाधान शीघ्र ही किया जाना चाहिए।

पेड न्यूज के संबंध में मीडिया कार्यशाला आज

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार, 9 अप्रैल 2024 को शाम 5 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष क्रमांक 102 में मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में निर्वाचन अवधि में एमसीएमसी के तहत पेड न्यूज, राजनैतिक विज्ञापनों के प्री-प्रमाणन, प्रिंटिंग प्रेसों द्वारा बरतने वाली सावधानियों सहित भारत निर्वाचन आयोग के विभिन्न दिशा-निर्देशों एवं नियमों से अवगत कराया जायेगा। इस कार्यशाला में सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया/न्यूज चैनल्स/केबल ऑपरेटर्स/समाचार पत्र/एफएम रेडियों के संचालक/प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। इनसे आग्रह किया गया है कि वे निर्वाचन से जुड़ी इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में अवश्य शामिल होंव।

मतदाताओं से भाजपा घर-घर मिलने जाएगी

इंदौर। शहर में एक बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है जो किसी भी राजनीतिक दल से नहीं जुड़ा है। ऐसे लोग सभाओं और रैलियों में भी नहीं जाते हैं। भाजपा ने ऐसे लोगों के घर जाकर ही उनसे संपर्क करने की प्लानिंग की है। ऐसे मतदाताओं से परिसर बैठकों के माध्यम से उनसे संपर्क किया जाएगा।भाजपा ने सभी 85 वार्डों में परिसर बैठकें करने का कार्यक्रम तैयार किया है। कुल 1 हजार परिसर बैठकें होना है और इसकी तैयारी की जा रही है। संभवत=10 अप्रैल से ये बैठकें शुरू होंगी। परिसर बैठक अभियान का संयोजक ओमप्रकाश यादव को बनाया गया है। इसके लिए 80 वक्ताओं का चयन भी किया गया है, जिसमें पूर्व विधायक, पूर्व महापौर, वर्तमान विधायक और महापौर, नगर अध्यक्ष, निगम मंडल के सदस्य एवं वरिष्ठ नेता शामिल हैं। 1 विधानसभा में प्रतिदिन 5 बैठकें रखी जाएगी और एक विधानसभा में कुल 40 बैठकों की प्लानिंग की गई है। परिसर बैठकों में विशेषकर बहुमंजिला इमारत, कालोनी और पॉश कालोनियों में संपर्क करने की योजना है। इस अभियान में करीब 200 कार्यकर्ताओं की एक समिति भी बनाई गई है। भाजपा ज्योतिबा फुले और डॉ. आंबेडकर की जयंती पर हर बूथ पर कार्यक्रम आयोजित करने और समाज के लोगों को उसमें शामिल करने का फरमान प्रदेश संगठन ने जारी किया है। शहर में ओबीसी वर्ग और एससी वर्ग के वोटरों की संख्या बहुत है और ज्योतिबा फुले तथा बाबा साहेब आंबेडकर के वे अनुयायी भी हैं। इसी को देखते हुए दोनों महापुरुषों की जयंती आम लोगों के बीच मनाने का निर्णय लिया गया है। 11 अप्रैल को फुले जयंती पर उनकी प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण के कार्यक्रम बूथ स्तर पर आयोजित करने के लिए कहा गया है तो 13 अप्रैल को स्मारक के आसपास सफाई अभियान और 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जयंती एससी बहुल बस्तियों में मनाने के लिए कहा गया है।

सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन स्वतंत्र एवं निष्पाक्ष रूप से सम्पन्न कराने के लिए सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। अपर कलेक्टर तथा समन्वयक नोडल कार्मिक प्रबंधन अधिकारी सपना लोवंशी ने विधानसभा क्षेत्र सांवेर हेतु ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मंडल के उपयंत्री धनीराम कोरी, विधानसभा क्षेत्र इंदौर-2 के लिए जल संसाधन विभाग की उपयंत्री अमीषा मुजाल्दा तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की उपयंत्री हर्षलता भूटयानी, विधानसभा क्षेत्र इंदौर-4 हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की कार्यपालन यंत्री मोनिका सप्रे को सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया है।

जिला एवं निगम प्रशासन संयुक्त रिमूव्हल कार्यवाही : स्मार्ट सिटी विकास कार्य हेतु आवंटित भूमि से हटाये अवैध अतिक्रमण

मकानधारक द्वारा सूचना पत्र प्राप्ति एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास आवंटित होने के उपरांत भी नहीं हटाया अवैध अतिक्रमण

इंदौर। स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह ने बताया कि वर्ष 2018 में केबिनेट मध्यप्रदेश राज्य सरकार द्वारा एम.ओ.जी. लाईन स्थित चयनित क्षेत्र की कुल 16.413 हेक्टेयर की भूमि तद्नुसार विभाग द्वारा भूमि इन्दौर स्मार्ट सिटी डेव्हलपमेंट लिमिटेड को हस्तांतरित करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के कार्य हेतु आवंटित भूमि पर 4 मकानधारको दीदार सिंह पिता बाबू सिंह निवासी 7/6 एम.ओ.जी लाईन इंदौर, सज्जन सिंह पिता इंदर सिंह निवासी 7/4 एम.ओ.जी लाईन, भूपेन्द्र सिंह पिता स्व. निर्मल सिंह निवासी 7/6 एम.ओ.जी लाईन एवं कमलजीत सिंह पति स्व. इंदरजीत सिंह निवासी 7/6 एम.ओ.जी लाईन द्वारा अवैध अतिक्रमण कर मकान का निर्माण किया गया था। उक्त अवैध अतिक्रमण कर निर्मित मकान को निगम व जिला प्रशासन की टीम द्वारा रिमूव्हल करने की कार्यवाही की गई।

विदित हो कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की आवंटित भूमि पर अवैध मकान का निर्माण किया जाकर, मकान धारक द्वारा मान. सत्र न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। मान. सत्र न्यायालय द्वारा याचिका में विधिक प्रक्रिया अपनाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये थे। उसी क्रम में तहसील न्यायालय मल्हारगंज जिला इंदौर में अतिक्रमण के संबंध में प्रकरण दर्ज किया गया था। तहसील न्यायालय मल्हारगंज जिला इंदौर में स्मार्ट सिटी के पक्ष में निर्णय हुआ था। निर्णय उपरांत संबंधित मकानधारको को स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट हेतु आवंटित भूमि पर मकान रिक्त करने के लिये सूचना पत्र जारी किये गये थे ताकि मकान को हटाने की कार्यवाही कि जा सके। इसके साथ ही संबंधित मकानधारको को निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास आवंटित किये गये थे। उपरोक्तानुसार तहसील न्यायालय द्वारा जारी सूचना पत्र के उपरांत निर्धारित समयावधि के पश्चात भी मकानधारको द्वारा भूमि रिक्त नही की गई जिस पर निगम एवं जिला प्रशासन द्वारा आज रिमूव्हल कार्यवाही की गई, जिसमें 2 मकान पर रिमूव्हल कार्यवाही की गई व 2 को मकान रिक्त करने हेतु समय दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट हेतु एमओजी लाईन में आवंटित भूमि पर रिमूव्हल कार्यवाही के पश्चात यह जानकारी प्रेषित की गई कि उक्त रिमूव्हल कार्यवाही में भुतपूर्व सैनिक का निवास भी शामिल है जो कि सरासर गलत अफवाह है, उपरोक्त उल्लेखित मकानधारको में से कोई भी भुतपुर्व सैनिक का निवास नहीं है।

जल संकट से जूझ रहे मध्य प्रदेश के कई शहर

इंदौर। रतलाम के जुलवानिया गांव में गर्मी की दस्तक के साथ बड़ा जल संकट शुरू हो गया है। गांव में पेयजल स्रोत के नाम पर एक हैडपंप है, इसमें भी नाममात्र का पानी आ रहा है। कभी-कभार पानी आ भी जाता है तो गांव वालों को पानी भरने अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। प्रदेश में जल संकट की स्थिति ऐसी है कि विदिशा जिले के सिरोंज से भाजपा विधायक उमाकांत शर्मा को अपने क्षेत्र में पानी की कमी दूर करने के लिए एक एसडीएम के पैर तक छूने पड़ गए थे। इसका वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हुआ था। जल संकट केवल रतलाम या विदिशा जिले की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे मध्य प्रदेश की समस्या है। यह स्थिति सिर्फ इस वर्ष की भी नहीं है।

मध्य प्रदेश का बड़ा हिस्सा हर साल पानी के संकट से जूझता है और लोगों को पानी की तलाश में कई-कई किमी का रास्ता तय करना होता है। प्रदेश में अभी गर्मी की शुरुआत हुई ही है और जल संकट के ऐसे हालात नजर आने लगे हैं। इसकी मुख्य वजह प्रदेश के कई इलाकों में भूजल स्तर का कम होना है। पिछले 10 सालों से लगातार भूजल स्तर कम हुआ है, लेकिन इसे बढ़ाने के लिए जिम्मेदारों के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। वे आंख बंदकर भयावह स्थिति बनने का इंतजार कर रहे हैं। भूजल स्तर बढ़ाने की कवायद के तहत पिछले दिनों इंदौर में बड़े पैमाने पर %वंदे जलम% अभियान की शुरुआत की गई है। संस्था संघमित्र व विश्वम् इसे नगर निगम के सहयोग से चलाएंगे।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में जल संकट लगातार गहरा रहा है। कई राज्य भूजल की कमी के चरम बिंदु को पार कर चुके हैं। रिपोर्ट में ऐसा अनुमान लगाया गया है कि पूरे उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में वर्ष 2025 तक गंभीर रूप से भू-जल संकट गहरा सकता है। भारत में दुनिया की आबादी का 18 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि देश के पास सिर्फ चार प्रतिशत जल संसाधन हैं। यह आंकड़ा भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा पानी की कमी वाले देशों में से एक बनाता है। यही वजह है कि पिछले कुछ साल से गर्मी आते ही पानी भारत में सोने की तरह कीमती चीज बनती जा रही है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में बड़ी संख्या में लोग जल संकट का सामना करते हैं। पानी की जरूरत के लिए भारत की अनियमित मानसून पर निर्भरता इस चुनौती को और बढ़ा रही है। इससे लाखों लोगों का जीवन और आजीविका खतरे में हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से पानी की चुनौतियां और बढ़ी हैं।

लगातार हो रहे जलवायु परिवर्तन ने पानी के स्रोतों में बाढ़ या सूखे जैसी स्थिति पैदा कर दी है। समग्र जल प्रबंधन सूचकांक (सीडब्ल्यूएमआइ) रिपोर्ट के अनुसार देश के 21 प्रमुख शहरों में लगभग 10 करोड़ लोग जल संकट की भीषण समस्या से जूझ रहे हैं। वर्ष 1994 में पानी की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 6000 घन मीटर थी जो वर्ष 2025 तक घटकर 1600 घन मीटर रह जाने का अनुमान है। पानी की बर्बादी और प्रदूषण के लिए हमारी आदतें जिम्मेदार हैं। उपयोग किए गए पानी का फिर से उपयोग किया जाना चाहिए। हम स्नान में भारी मात्रा में पानी बर्बाद करते हैं। ऐसे ही वाटर पार्क से लेकर गाड़ियों की धुलाई और वाशिंग मशीन में अकसर पानी का दुरुपयोग करते हैं। दुनिया के कुछ देशों में वाश बेसिन से निकले पानी को पाइप से जोड़कर शौचालय की सफाई में इस्तेमाल किया जाता है। कार या कपड़े धोने अथवा एयर कंडीशनर से निकले पानी को फिर से इस्तेमाल करने की तकनीक का विकास तात्कालिक आवश्यकता है। वर्षा जल संचयन जरूरी है। प्रत्येक छत पर वर्षा जल संचयन, इस पानी का सदुपयोग और शेष पानी को एक पाइप द्वारा जमीन के भीतर तक ले जाने से भूगर्भ जल में बढ़त होगी।

वर्षा जल संरक्षण की कमी

जल संकट बढ़ने का बड़ा कारण यह भी है कि हम वर्षा जल का बहुत कम मात्रा में संरक्षण कर पाते हैं। एक ओर जहां इसरायल जैसे देश में औसतन 10 सेंटीमीटर वर्षा होने के बावजूद भी वह इतने अन्न का उत्पादन कर लेता है कि उसका निर्यात करने में भी सक्षम हो जाता है। भारत में औसतन पचास सेंटीमीटर से भी ज्यादा वर्षा होने के बावजूद अन्न की कमी बनी रहती है। दरअसल नदियों-तालाबों जैसे पवित्र माने जाते रहे जलस्रोतों को सहेजने में लापरवाही और वर्षा जल संचयन का उचित प्रबंध न होना जल संकट गहराते जाने की मुख्य वजह बन रहे हैं।

चुनावी ड्यूटी में नियुक्त कर्मचारियों को दुर्घटना पर मिलेगी, तीन तरह की अनुग्रह राशि

इंदौर। निर्वाचन कार्य के दौरान दुर्घटना होने पर अनुग्रह राशि दी जाएगी। चुनाव आयोग ने मृत्यु या गंभीर चोट के मामले में मतदान कर्मियों के परिजनों को अनुग्रह राशि का प्रविधान किया है। इसमें चुनाव संबंधी सभी प्रकार की ड्यूटी में तैनात लोगों को शामिल किया गया हैं।चुनाव आयोग का मानना है कि किसी व्यक्ति को प्रशिक्षण सहित किसी भी चुनाव संबंधी कार्य के लिए रिपोर्ट करने के लिए निवास, कार्यालय छोड़ते ही चुनाव ड्यूटी पर होना माना जाएगा। कार्य संपन्न कर घर पहुंचने पर ही ड्यूटी खत्म मानी जाएगी। यदि इस अवधि के दौरान कोई दुर्घटना होती है, तो इसे चुनाव ड्यूटी पर हुई घटना के रूप में माना जाएगा। इसमें सभी कार्मिक, सीएपीएफ, एसएपीएस, राज्य पुलिस, होम गार्ड के सभी सुरक्षाकर्मी, कोई भी निजी व्यक्ति जैसे ड्राइवर, क्लीनर आदि जिसे चुनाव ड्यूटी के लिए नियुक्त किया गया हो और बीईएल, ईसीआईएल इंजीनियर भी शामिल हैं, जो प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी), ईवीएम कमीशनिंग, मतदान दिवस और मतगणना दिवस ड्यूटी में लगे हुए हैं। निर्वाचन ड्यूटी के दौरान अगर मौत उग्रवाद या असामाजिक तत्वों के किसी हिंसक कृत्य से होती है तो 30 लाख रुपये की अनुग्रह राशि कर्मचारी के परिजन को मिलेगी। अन्य कारण से मृत्यु होने पर 15 लाख रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी। गंभीर चोट में स्थायी विकलांगता के मामले में 7.5 लाख रुपये दिए जाएंगे।

केशलेस इलाज होगा

आयोग ने चुनाव में शामिल ऐसे सभी कर्मियों के लिए अत्याधुनिक अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया है, जो ड्यूटी के दौरान घायल हो जाते हैं या बीमार पड़ जाते हैं। उपचार में तेजी लाने और देरी से बचने के लिए, चुनाव की घोषणा तक अस्पतालों के साथ अग्रिम रूप से व्यवस्था, टाई-अप कर पीड़ितों को कैशलेस सुविधाएं दी जा सकती हैं।

ये माफिया थे तो कांग्रेस ने इन्हें बड़े-बड़े पद क्यों दिए

इंदौर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा कांग्रेस छोडने वाले नेताओं को माफिया बताने वाले बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा का कहना है कि मोदीजी से प्रभावित होकर कांग्रेसी भाजपा में आ रहे हैं तो वे माफिया नजर आ रहे हैं। अगर वे वास्तविकता में माफिया थे तो कांग्रेस ने उन्हें इतने बड़े-बड़े पदों पर क्यों बिठाया?भाजपा ने तो पटवारी पर ही कांग्रेसजनों की पसंद के आधार पर नहीं, बल्कि ऊपर वाली सेटिंग और डील के आधार पर पर्ची वाला अध्यक्ष बताया है। भाजपा प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने पटवारी पर हमला बोलते हुए कहा कि पटवारी के अध्यक्ष बनने के बाद हजारों लोग कांग्रेस छोड़ चुके हैं जो अब तक का एक बड़ा रिकार्ड है। पटवारी कह रहे हैं कि कांग्रेस छोडने वाले माफिया हैं। सलूजा ने पूछा कि छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहाके जिनकी गरीबी के किससे पूरे देश ने देख रखे हैं, वे कौन से माफिया है। छिंदवाड़ा के ही आदिवासी विधायक कमलेश शाह कौन से माफिया हैं? दीपक सक्सेना और सुरेश पचौरी जैसे नेताओं ने भी कौनसे माफिया के रूप में काम किया। जबलपुर के महापौर जिन्हें जनता ने चुना है , वो कौन से माफिया है? इसी को लेकर उन्होंने लगातार सवाल किए। वहीं अंतरसिंह दरबार, गजेन्द्रसिंह राजूखेड़ी, पंकज संघवी, संजय शुक्ला और विशाल पटेल जैसे नेताओं को लेकर भी पटवारी से पूछा गया कि जब ये आपकी पार्टी में थे तब माफिया नहीं थे? और थे तो आपकी पार्टी ने इन्हें इतने बड़े-बड़े पदों पर क्यों बिठाया, इन्हें चुनाव लड़वाकर जीताया। इस मामले में उन्होंने पटवारी से जवाब मांगा है। वैसे जैसे-जैसे प्रदेश में चुनाव की गतिविधि बढ़ रही है इस प्रकार के आरोप-प्रत्यारोप दोनों ही पार्टियों की ओर से लगाए जा रहे हैं।

शेडयुल बनाकर करे चेम्बर सफाई कार्य, फिल्ड में रहकर करे कार्य - आयुक्त वर्मा

जलप्रदाय से संबंधित शिकायत का निराकरण नही करने पर झोनल अधिकारी व पीएचई के एसई को शोकाज नोटिस

- सीएम हेल्प लाईन व 311 एप की शिकायतो की भी समीक्षा की
- ग्रीष्मकाल में जलप्रदाय एवं वर्षाकाल की जाने वाली व्यवस्थाओ की समीक्षा बैठक संपन्न

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा नगरीय क्षेत्र में ग्रीष्मकाल में जलप्रदाय की समीक्षा के साथ ही स्वच्छता एवं आगामी वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए, सीएम हेल्पलाईन की सीटी बस आफिस में झोनवार समीक्षा बैठक ली गई। समीक्षा बैठक के दौरान आयुक्त वर्मा द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान जलप्रदाय व्यवस्था की समीक्षा करते हुए, जिन-जिन क्षेत्रो में जलप्रदाय किया जा रहा है उन क्षेत्रो में स्थित बोरिंग की स्थिति का निरीक्षण करने के संबंधित अधिकारियो को निर्देश दिये गये। साथ ही ऐसे क्षेत्रो में जलप्रदाय सुचारू हो इसके लिये वॉटर टैंकर के माध्यम से जलप्रदाय करने के भी निर्देश दिये गये। इसके साथ ही आयुक्त वर्मा द्वारा वर्षाकाल के दौरान शहर के ऐसे स्थान जहां पर जल जमाव की स्थिति उत्पन्न होती है, ऐसे क्षेत्रो का समस्त झोनल अधिकारियो द्वारा रिपोर्ट तैयार कर आगामी सोमवार को पुनः बैठक में प्रेजेटैशन के माध्यम ऐसे स्थानो पर की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। आयुक्त वर्मा द्वारा समस्त झोनल अधिकारियो को जलप्रदाय कार्य के संबंध में प्रातकालः फिल्ड पर जाकर मौका स्थल का निरीक्षण करने व झोन क्षेत्र में जल जमाव के दौरान जल निकासी, जल निकासी में बाधक पर रिमूव्हल कार्यवाही, जल जमाव क्षेत्रो से रहवासियों को सुरक्षित स्थान पर शिफट करने की व्यवस्थाओ के संबंध में समस्त झोनल अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। साथ ही आयुक्त वर्मा ने समस्त झोनल अधिकारियो को चेम्बर सफाई के लिये शेडयुल तैयार करने के निर्देश दिये जिससे की प्रत्येक चेम्बर की प्रत्येक 3 माह में सफाई होना सुनिश्चित हो सके। आयुक्त वर्मा द्वारा जलप्रदाय व्यवस्था की समीक्षा करते हुए, जिन क्षेत्रो से डिमांड प्राप्त हो उन स्थानो पर टैंकर उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। उनके द्वारा कुऐ, बावडी की सफाई सुनिश्चित करे, जल संग्रहण हेतु चैनल क्लीयर करने के भी निर्देश देते हुए, संबंधित अधिकारियो को फिल्ड में मौका मुआयना करने के निर्देश दिये गये।

सीएम हेल्प लाईन व 311 एप की शिकायतो की समीक्षा

आयुक्त वर्मा ने सीएम हेल्प लाइन एवं इंदौर 311 एप पर प्राप्त शिकायतो की भी समीक्षा के दौरान रेंडमली शिकायतो का अवलोकन किया तथा प्राप्त शिकायतो का समाधान करने के साथ ही संबंधित शिकायतकर्ता की संतुष्टि के संबंध में कहा कि संबंधित शिकायतकर्ता से चर्चा जरूर करे। साथ ही सीएम हेल्प लाईन एवं 311 एप में पेयजल व स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित शिकातयो को 24 घंटे में समाधान किया जाना सुनिश्चित करे। झोन क्रमांक 01 अंतर्गत शिक्षक नगर में रहवासी द्वारा पानी नही आने की शिकायत का समय सीमा में समाधान नही करने एवं संतोषजनक जवाब नही देने आयुक्त वर्मा द्वारा झोनल अधिकारी अवधेश जैन एवं संबंधित झोन के पीएचई के एसई सुभाष कडेकर को शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। वहीं झोन क्रमांक 04 वार्ड क्रं. 12 के पीएचई के एसई सुरेश रावत को एसीएन जारी करने के निर्देश दिये गये। साथ ही समस्त झोनल अधिकारी व विभागीय अधिकारियो को सीएम हेल्प लाइन एवं इंदौर 311 एप में प्राप्त शिकायत का समय सीमा में निराकरण करने के साथ ही शिकायतकर्ता से बात करने के भी निर्देश दिये गये।

मूर्धन्य पत्रकार राजेंद्र माथुर की पुण्यतिथि पर सुबह 8.30 बजे प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देंगे

19 मई को आयोजित होगा प्रेस क्लब का स्थापना दिवस समारोह

इंदौर। देश के मूर्धन्य पत्रकार, इंदौर प्रेस क्लब संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र माथुर का मंगलवार, 9 अप्रैल 2024 को पुण्य स्मरण दिवस है। पलासिया चौराहे स्थित स्व. श्री माथुर की प्रतिमा पर सुबह 8.30 बजे इंदौर प्रेस क्लब और मीडिया के साथियों द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रेस क्लब का स्थापना दिवस समारोह इस बार 19 मई को आयोजित किया जाएगा। इसके तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रेस क्लब द्वारा आयोजित विभिन्न स्पर्धाओ के पुरस्कार भी इसी समारोह में वितरित किए जाएंगे।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 09 अप्रैल, 2024

संपादकीय | दबंग जनप्रतिनिधियों का लेखा-जोखा

संसद को 'लोकतंत्र का मंदिर' माना गया है, ऐसी ही शुचिता की अपेक्षा राष्ट्रहित एवं जनकल्याण से जुड़े मुद्दे उठाने वाले जनप्रतिनिधियों के चरित्र से भी की जाती है किंतु अनेक मामलों में वास्तविकता ठीक इसके विपरीत दिखाई पड़ती है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी सुधारों को लेकर होने वाली तमाम चर्चाओं में राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण विगत कई वर्षों से एक अहम मुद्दा बना हुआ है। हाल ही में एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म (ए.डी.आर) ने मौजूदा संसद के 514 सदस्यों के आपराधिक, शैक्षणिक व आर्थिक रिकार्ड को लेकर नवीनतम आंकड़े जारी किए, जिनके अनुसार, विगत लोकसभा चुनाव के दौरान चयनित 44 प्रतिशत सांसद आपराधिक मामलों में संलिप्त हैं, जबकि 29 प्रतिशत सांसद संगीन आपराधिक मामलों में नामजद हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अपने विरुद्ध हत्या से संबद्ध मामलों की जानकारी देने वाले मौजूदा 9 सांसदों में 5 भाजपा से संबद्ध हैं। कांग्रेस, बसपा, वाई.एस.आर. कांग्रेस सहित एक आजाद सांसद भी कत्ल के मामले में आरोपी है।

वर्तमान सांसदों में से 28 के विरुद्ध हत्या के प्रयास में मामला दर्ज है। 16 मौजूदा सांसदों का नाम महिलाओं के विरुद्ध मामलों में आता है, जिनमें 3 सांसदों के खिलाफ महिलाओं से दुष्कर्म करने का आरोप भी है। आपराधिक सांसद चयनित करने के मामले में केरल प्रांत प्रथम स्थान पर रहा। यहां 20 में से 17 सांसदों के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज हैं। गंभीर आपराधिक मामलों में उत्तर प्रदेश का नाम सर्वोपरि रहा। यहां 43% सांसद गंभीर आपराधिक मामलों में लिप्त पाए गए। आंकड़ों का सम्पूर्ण लेखा-जोखा बदल रहे राजनीतिक समीकरणों की ओर इशारा करता है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संसद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा था, 'हमारी आजादी के समय, राष्ट्र के समक्ष उपस्थित चुनौतियों को यदि ध्यान में रखा जाए तो 'भारतीय लोकतंत्र' को निःसंदेह मानव इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक माना जा सकता है।' वास्तव में, यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि समूचे तौर पर इसका ध्येय जनहित से ही जुड़ा था। मताधिकार के आरम्भिक वर्षों में उम्मीदवार की कार्यक्षमता का आकलन करने के साथ, साफ-सुथरी छवि को ही प्राथमिकता दी जाती थी। भले ही शतरंजी चालें सदैव से ही राजनीति का हिस्सा रही हों किंतु आदर्शों, मूल्यों एवं सिद्धांतों की इस प्रकार सरेआम अवहेलना नहीं होती थी। वर्तमान में तो जैसे चुनाव का आशय ही येन-केन-प्रकारेण अपनी जीत सुनिश्चित करवाना है, जनहित का मुद्दा तो सिर्फ नारों तक सीमित नजर आता है। बाहुबलियों की राजनीति में लगातार बढ़ती दखलअंदाजी एक दुश्चतनीय विषय बन चुका है। दरअसल, चुनावी राजनीति कमोबेश राजनीतिक दलों को प्राप्त होने वाली फंडिंग पर निर्भर करती है। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों के पास अक्सर धन संपदा की कोई कमी नहीं होती। इसी माया के दम पर खुलकर वोट की सौदेबाजी होती है। चुनावी अभियान में प्रत्यक्ष-परोक्ष ढंग से खर्च किया गया पैसा जीत की संभावना कई गुणा बढ़ा देता है। जाति, वर्ग अथवा धर्माधारित मतदान भुनाना भी राजनीतिक दल खूब जानते हैं। प्रत्याशी को टिकट आबंटित करते संबंधित क्षेत्र में वर्ग-धर्म-जाति बाहुल्य का पलड़ा खंगालना राजनीतिक तुरुप चालों का ही तो हिस्सा है। जो नेतागण संसद में खड़े होकर डंके की चोट पर जातिगत भेदभाव मिटाने की बात करते हैं, चुनावों के दौरान वही जाति-धर्म के नाम पर वोट बटोरते दिखाई पड़ते हैं, यानी 'हाथी के दांत खाने के और, दिखाने के और'। फिर भी कुछ मतदाता समझ नहीं पाते और राजनीतिज्ञों की लच्छेदार बातों में उलझकर रह जाते हैं। जाति-धर्म के रूप में नेताओं को एक ऐसा अचूक हथियार मिल जाता है जो उनकी जीत सुनिश्चित करने में खासा मददगार सिद्ध होता एवं कालांतर में लोकतंत्र के लिए विषम परिस्थितियां उत्पन्न करने का एक बड़ा कारण बन जाता है। राजनीति के अपराधीकरण को बढ़ावा देने में भ्रष्टाचार की भी मुख्य भूमिका रहती है। आपराधिक पृष्ठभूमि को रिश्वत देकर कोई सत्ता तथा राजनीतिक प्रभुत्व हासिल करने के लिए पूरे सिस्टम को भ्रष्ट कर सकता है। विचारणीय है, स्वयं आपराधिक कृत्यों में प्रवृत्त व्यक्ति भला समाज को कैसे दिशा प्रदान करेगा? राजनीति में अपराधियों का प्रवेश सार्वजनिक जीवन में अपराध को बढ़ावा देने के साथ कार्यपालिका, नौकरशाही, विधायिका तथा अदालतों सहित राज्य संगठनों को प्रतिकूल दबाव डालते हुए नकारात्मक रूप से प्रभावित करने के अतिरिक्त करेगा भी क्या? राजनीति तथा देश के कानून निर्माण में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों का अस्तित्व हर प्रकार से लोकतंत्र की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव ही डालता है। लोकतंत्र से आशय, लोगों का तंत्र है। सतही तौर पर इसकी स्थापना तभी संभव हो सकती है, जब इसे चलाने वाले आपराधिक प्रवृत्ति के दबंग न होकर चारित्रिक रूप से सुदृढ़, गरिमा सम्पन्न व लोकहित के हिमायती हों और ऐसा तभी संभव है जब हम अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें एवं सोच-समझकर ही करें।

रंग-बिरंगी रंगोलियां दे रही हैं मतदान का संदेश

इंदौर। इंदौर जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए हर तरह के प्रयास किये जा रहे है। कहीं मेहन्दी तो कहीं रांगोलियों के माध्यम से मतदान का संदेश मतदाताओं तक पहुंचाया जा रहा है। जिले के गांव-गांव में महिलाएं मतदान का संदेश आधारित आकर्षक रांगोलिया जगह-जगह बना रही है। इन रांगोलियों से मतदाताओं को मतदान का महत्व बताया जा रहा है। साथ ही जिले के शैक्षणिक संस्थाओं में युवाओं की भागीदारी भी मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़ी जा रही है। इसी सिलसिले में पिछले दिनों ग्राम पंचायत रामपिपल्याक में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जगह-जगह सेल्फी पाईंट भी बनाये गये है। मतदाताओं को मतदान की शपथ भी दिलाई जा रही

मुद्रण प्रबंधन कार्य के लिए राहुल मिश्रा नोडल अधिकारी नियुक्त

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संचालन के लिए नोडल/सहायक नोडल अधिकारियों के संबंध में आंशिक संशोधन आदेश जारी किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने लोकसभा चुनाव के संबंध में आंशिक संशोधन करते हुए मतपत्र/डाक मतपत्र/मुद्रण प्रबंधन का कार्य कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के लेखा अधिकारी राहुल मिश्रा को सौंपा है। पूर्व में इस दायित्व से संलग्न संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा श्रीमती नीलम निनामा को इस कार्य से मुक्त किया गया है। नियुक्त अधिकारी लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु ईव्हीएम मतपत्रों/डाक मतपत्रों का आकलन कर मुद्रण की तैयारी करेगें। साथ ही मतपत्र लेखा 17 सी भाग 2 का मुद्रण एवं मुद्रण से संबंधित समस्त प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कार्यवाही संपादित करेगें।

फिलिस्तीनी जनता के साथ एक जुटता

इंदौर। प्रगतिशील लेखक संघ के स्थापना दिवस 9 अप्रैल के अवसर पर फिलिस्तीन के इतिहास और वर्तमान परिस्थितियों को समझने तथा वहाँ की जनता के प्रति समर्थन और एकजुटता व्यक्त करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ जया मेहता, अरविंद पोरवाल अपनी बात रखेंगे। विनीत तिवारी फिलिस्तीन के चित्रकारों की चित्रकला का प्रदर्शन प्रोजेक्टर के जरिए करके उनके संदर्भों की जानकारी देंगे। शर्मिष्ठा घोष और विजय दलाल अमन के गीत गाएंगे, फिलिस्तीन कवियों की कविताओं का वाचन सारिका श्रीवास्तव, चुन्नीलाल वाधवानी, डॉक्टर जाकिर हुसैन सहित अन्य वक्ता करेंगे और संस्था रूपांकन द्वारा पोस्टर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इप्टा इकाई के सचिव प्रमोद बागड़ी प्रलेसं सचिव हरनाम सिंह ने आज 9 अप्रैल मंगलवार की सांय 4-30 बजे, अभिनव कला समाज सभागृह, गांधी हाल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में अमन पसंद नागरिकों से शिरकत करने का अनुरोध किया है।

आज का कार्टून

निर्मला सीतारमण का चुनाव न लड़ना

पति कह रहे हैं - मोदी सरकार नहीं बनेगी

हरनाम सिंह

केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के बाद तीसरी बड़ी ताकतवर मंत्री निर्मला सीतारमण ने चुनाव न लड़ने की घोषणा की है। उनके इस निर्णय से राजनैतिक विश्लेषक हतप्रभ हैं। क्या उनका यह बयान इस बात का संकेत है कि वर्तमान लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार लौट कर नहीं आ रही है। केंद्रीय वित्त मंत्री के पति अर्थशास्त्री और राजनीतिक विश्लेषक पराकला प्रभाकर का तो यही आकलन है। अन्यथा एक अरबपति धन धान्य से परिपूर्ण पार्टी की शक्तिशाली वित्त मंत्री का यह कहना की चुनाव लड़ने के लिए उसके पास धन का अभाव है। भला इस बात पर कौन यकीन कर सकता है ? माना जा रहा है कि नई सरकार द्वारा होने वाली बदले की कार्यवाही से वह इसी तरीके से बचना चाहती है। निर्मला सीतारमण के पति स्वयं अर्थशास्त्री हैं। लंदन स्कूल आफ इकोनॉमिक्स से पीएचडी हैं, राजनीतिक विश्लेषक है। किसी भी राजनीतिक दल से उनका कोई संबंध नहीं है, नहीं उनका कोई एजेंडा भी है। लेकिन वे मोदी सरकार के कामकाज को भीतर तक जानते हैं। पूर्व में भी उनका आकलन सही साबित हो चुका है।

डॉ प्रभाकर मानते हैं कि वर्तमान चुनाव में भाजपा को 230 से अधिक सीट नहीं मिलेगी और शायद ही तीसरी बार मोदी जी प्रधानमंत्री बन पाए। अगर किसी जोड़- तोड़ से वे सरकार बनाने में सफल हो गए तो 2029 में देश में आम चुनाव नहीं होंगे, क्योंकि भाजपा एक देश, एक भाषा, एक नेता, एक दल के सुपर वन एजेंडे पर काम कर रही है। इसका सर्वाधिक नुकसान क्षेत्रीय दलों को भुगतना होगा। एक साक्षात्कार में डॉक्टर प्रभाकर ने कहा कि इलेक्ट्रोल बांड घोटाले का असर तेजी से जनता में फैल रहा है। जैसा कांग्रेस कार्यकाल में कथित 2ज घोटाले के बारे में हुआ था। आम लोग तथ्यों की गहराई में नहीं जाते, लेकिन वे मान रहे हैं की कुछ तो गड़बड़ हुई है। इस घोटाले ने मोदी की उस छवि को ध्वंस्त कर दिया है, जिसमें वे कहते थे कि ÷ना खाऊंगा - न खाने दूंगा÷ इलेक्ट्रॉल बांड घोटाले पर भारतीय जनता पार्टी चाहे जो सफाई दे लेकिन अब वह इस मुद्दे पर तो मतदाताओं का भरोसा खो चुकी है। उन्होंने कहा कि ÷अबकी बार 400 पार का नारा÷ एक नॉरेटिव (आख्यान) गढ़ता है। भाजपा चाहती है कि चुनाव में इसी जुमले के इर्द-गिर्द ही बहस चले, न कि अन्य दलों के किन्हीं मुद्दों पर। इस चुनाव में भाजपा के सामने भारत देश की जनता चुनाव लड़ेंगी। डॉक्टर प्रभाकर ने कहा कि वे बेहद जिम्मेदारी से कह रहे हैं कि भाजपा को 230 से अधिक सीट नहीं मिलेगी। सभी राज्यों में उसका प्रतिनिधित्व घटेगा।

देश में महंगाई, बेरोजगारी, मणिपुर, लद्दाख के मुद्दे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। रोजगार के अभाव में शहरों से लोग गांव की और लौट रहे हैं, जहां उन्हें मनरेगा में काम और 5 किलो अनाज मिलने की उम्मीद है। यह इस बात से प्रमाणित होता है कि सरकार द्वारा मनरेगा के लिए जारी बजट 6 माह में ही समाप्त हो गया। बेरोजगारी की स्थिति इतनी भयावह है कि रोजगार के लिए हमारे देश के युवा यूक्रेन और इजरायल में जारी युद्ध में शामिल होने के लिए जा रहे हैं, जहां से जीवित लौटने की बहुत कम संभावना है।

डॉ प्रभाकर का मानना है कि मोदी सरकार लोकतांत्रिक नहीं है। किसी लोकतंत्र में 145 संसद सदस्यों को सदन से निकलकर विधायी कार्य करना संभव नहीं हो सकता, लेकिन हमारे यहां ऐसा हुआ है। मणिपुर एक साल से जल रहा है वहां प्रधानमंत्री तो क्या कोई मंत्री तक नहीं गया है। मणिपुर में इंटरनेट सुविधा बंद कर दी गई है वहां की खबरें मीडिया से गायब है। जनता की आवाज नहीं सुनी जा रही है। ऐसा ही अब लद्दाख में भी हो रहा है। राज्य सरकारें अपने हिस्से का पैसा लेने के लिए अपने मंत्रियों सहित दिल्ली में धरना देने के लिए विवश हैं। ऐसा किसी भी डेमोक्रेसी में नहीं हो सकता। डॉक्टर प्रभाकर के अनुसार अगर किसी भी तरह मोदी जी सरकार बनाने में सफल हो गए तो लाल किले की प्राचीर से वही भाषा बोली जाएगी जो धर्म संसद में बोली गई थी। खुला खेल खेला जाएगा। जो मणिपुर में हो रहा है वह किसी भी राज्य में हो सकेगा। उनका मानना है कि भाजपा को पर्याप्त सीट न मिलने पर उसके सहयोगी दल सरकार बनाने के लिए भाजपा को नहीं अन्य दल अथवा गठबंधन को समर्थन देना पसंद करेंगे, क्योंकि वर्तमान में उन्हें डरा, धमका कर एनडीए गठबंधन में शामिल किया गया है। व स्वयं पीड़ित है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान चुनाव में निर्मला सीतारमण के अलावा भी कई नेताओं ने चुनाव लड़ने से इनकार किया है। क्या इसे डूबते जहाज के संदर्भ में समझा जा सकता है ?

अभियान चलाकर मतदान प्रतिशत बढ़ायें - मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार

इंदौर। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने नगर निगम आयुक्तों और जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता जागरुकता कार्यक्रम को एक अभियान के रूप में संचालित करें, जिससे मतदाता मतदान करने के लिये स्वयं प्रेरित हों। नई दिल्ली में आज %मतदान में कम सहभागिता विषय पर सम्मेलन% में प्रमुख शहरों के नगर निगम आयुक्तों और कुछ जिला निर्वाचन अधिकारियों ने मतदाता भागीदारी बढ़ाने की दिशा में अतिरिक्त प्रयास करने के लिए एक साथ विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर आयोग द्वारा मतदाताओं की उदासीनता पर एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

सीईसी राजीव कुमार ने कहा कि कम मतदान प्रतिशत वाले कुल 266 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों (215 ग्रामीण और 51 शहरी) की पहचान की गई है। उन्होंने मतदान केंद्रों पर कतार प्रबंधन, भीड़भाड़ वाले इलाकों में पार्किंग जैसी सुविधा प्रदान करने की बहुआयामी रणनीति पर जोर दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त श्री कुमार ने बढ़ी हुई भागीदारी और व्यवहार परिवर्तन के लिए बूथवार कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी नगर निगम आयुक्तों और डीईओ को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग रणनीति तैयार करने और अलग-अलग लक्षित मतदाताओं के लिए योजना बनाने के निर्देश दिये। इस तरह से कार्य करें कि मतदाताओं में लोकतांत्रिक उत्सव में भाग लेने का गौरव भाव पैदा हो। चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधु ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

सम्मेलन में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, पुणे, ठाणे, नागपुर, पटना साहिब, लखनऊ और कानपुर के नगर निगम आयुक्तों के साथ-साथ बिहार और उत्तरप्रदेश के चुनिंदा जिला निर्वाचन अधिकारियों ने भाग लिया। साथ ही बिहार, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र और दिल्ली के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों ने भी सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में 7 राज्यों कर्नाटक, गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना और पंजाब के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भी वर्चुअली शामिल हुए।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने विशेष अभियान जारी - राजन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने सम्मेलन में कहा कि मध्यप्रदेश में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विगत विधानसभा निर्वाचन में प्रदेश के जिन 26 जिलों के 75 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत कम था, वहां मतदाता जागरुकता वाहन के माध्यम से मतदाताओं को जागरुक किया जा रहा है। लघु फिल्म, स्लोगन, पोस्टर के माध्यम से मतदाताओं को मतदान का महत्व और लोकतंत्र में उनके एक वोट की क्या कीमत है, के बारे में जागरुक किया जा रहा है। जिला लेवल पर पेंटिंग, स्लोगन, लेखन की प्रतियोगिताएँ आयोजित की जायेंगी, जिसमें सभी उम्र के मतदाता सहभागी बन सकते है। प्रतियोगिताओं में पुरस्कार का भी प्रावधान किया गया है। ट्रू कॉलर, यूपीआई पेमेंट, सोशल मीडिया इन्फल्यूएंसर, स्वच्छता वाहन के माध्यम से भी मतदाता जागरुकता कार्यक्रम चलाए जा रहे है। उचित मूल्य दुकानों, अस्पतालों, शॉपिंग मॉल, पेट्रोल पम्पों में पोस्टर, बैनर आदि के माध्यम से मतदाता जागरुकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। रहवासी समितियों के साथ भी बैठक कर मतदान के लिये प्रोत्साहित किया जायेगा। आंगनवाड़ी केन्द्रों में मंगल दिवस पर महिलाओं को मतदान के प्रति जागरुक किया जा रहा है। इस दौरान संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मनोज खत्री और बसंत कुर्रे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भारत बनेगा दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले दस वर्षों में किए कार्यों के बारे में देश के भविष्य यानी स्कूली छात्र-छात्राएं क्या सोचते हैं। स्कूली बच्चों ने एक देश-एक चुनाव, अनुच्छेद 370, तीन तलाक, आयुष्मान योजना से लेकर गुलाम कश्मीर और अक्साई चीन जैसे विषयों पर खुलकर विचार रखें। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में रविवार को महापौर द्वारा भारत भाग्य विधाता कार्यक्रम बच्चों ने देश के प्रधानमंत्री से अपनी अपेक्षाएं भी साझा की। आयोजन में 30 स्कूलों के सातवीं से नौवीं कक्षा तक के विद्यार्थी शामिल थे।महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि मुझे इस बात का पूरा विश्वास है, जैसे लकड़ी के चूल्हे को गैस के चूल्हे में बदलने का विचार निकला था, ठीक उसी प्रकार से आज इस सदन से ज़रूर ऐसा विचार निकलकर आएगा, जो देश के सर्वोच्च सदन को कोई विषय देगा। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में जो चर्चा की है, उसे आगामी समय में साकार भी करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लेखिका ज्योति जैन, वरिष्ठ पत्रकार राजा शर्मा आदि मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी के भारत की बात देश के भविष्य के साथ विषय पर आयोजित कार्यक्रम में 150 से ज्यादा बच्चों ने अपने विचार रखे। डेली कालेज के छात्रों के द्वारा पीएम मोदी को विजनरी लीडर की संज्ञा देते हुए इस बात पर विश्वास भी जताया कि आगामी समय में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति होगा। चंद्रयान ने जहां देश का मान बढ़ाया, वहीं कोरोना के दौरान दुनिया की मदद कर देश को दुनिया में एक अलग स्थान दिलाया। भारत ने कोविड काल में मेडिकल क्षेत्र में आमूलचूल आविष्कार किए।दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्रों ने बात रखते हुए कहा कि वैसे तो मोदी सरकार की कई उपलब्धियां हैं, जिसे सिर्फ तीन मिनट में कहना आसान नहीं है। मोदी सरकार ने टैक्स सिस्टम बेहतरीन करने के साथ भ्रष्टाचार को भी कम किया है। एमरल्ड हाइट्स स्कूल के छात्रों ने कहा कि भारत में आज आर्थिक विकास के साथ सामाजिक विकास हुआ है। मोदी सरकार के कई कदम है, जो भारत को सोने की चिड़िया बनाते हैं। लेखिका ज्योति जैन ने कहा कि छोटी-छोटी असफलता से निराश नहीं होना चाहिए। यह आवश्यक नहीं है कि हर चीज आपके अनुकूल हो। आप देश का भविष्य है, आप पर बड़ी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का प्रथम पुरस्कार एनडीपीएस स्कूल को प्राप्त हुआ।

रोटरी वर्ष 2024-25 के अध्यक्ष-सचिव प्रशिक्षण सेमिनार संपन्न

इंदौर। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3040 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट अनीश मलिक के नेतृत्व में रोटरी वर्ष 2024-25 के अध्यक्ष-सचिव प्रशिक्षण सेमिनार ÷जोश÷ इंदौर के होटल प्राइड कन्वेंशन सेंटर में 06-07 अप्रैल 2024 को संपन्न हुआ द्य सेमिनार की मेजबानी रोटरी क्लब ऑफ इंदौर अपटाउन द्वारा , क्लब अध्यक्ष डॉ. उपिंदर धर के नेतृत्व में की गई, इवेंट चेयर जयेश झा ने संभाली द्य सेमिनार में वर्ष 2024-25 के सभी 110 क्लबों के अध्यक्ष, सचिव, सहायक गवर्नर, जिला अधिकारी एवं पूर्व के गवर्नर ,पीडीजी उपस्थित रहे। रोटरी इंटरनेशनल के पंजाब से पीडीजी गुरजीत सेखू मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट डिस्ट्रिक्ट 3053 ग्वालियर से राहुल श्रीवास्तव थे। डिस्ट्रिक्ट 3040 के पब्लिक इमेज चेयरपर्सन घनशाम सिंह, दिनेश राठौड़, अरुण वर्मा, अशोक जिंदल, सीमा मलिक, पीडीजी अतुल गार्गव, पीडीजी धीरेन दत्ता, पीडीजी रवि लैंगर, पीडीजी नलिनी लैंगर, आराधना सहाय (कम्यूनिटी सर्विस डायरेक्टर, इंदौर अपटाउन), डॉ. स्वाति दुबे मिश्रा (रोटरेक्ट चेयरपर्सन, इंदौर अपटाउन), एस.पी बंसल, खंडवा के लोकेश झवर, रूबी मल्होत्रा, दीप्ति कोठारी , राजेश मोदी, मनोज कोठरी ने सभी अध्यक्ष, सचिव को , रोटरी इंटरनेशनल के सेवा के सभी मुख्य एरिया जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्र में कार्य करने की प्रणाली के बारे में अवगत कराया द्य सेमिनार के प्रथम दिन का समापन दीपक शाह के नेतृत्व में म्यूज़िकल नाइट के आयोजन के साथ किया गया द्य 7 अप्रैल 2024 को ग्रैंड मैनेजमेंट सेमिनार हुआ जिसमें विशेष रूप से पीडीजी सोहन लाल पारिख, पीडीजी सीए नितिन डफरिया, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट डिस्ट्रिक्ट 3053 ग्वालियर से राहुल श्रीवास्तव, किरण घुम्मन, डॉ. तेजस मेहता, माधुरी बरकतिया, राजन बवेचा, लालिमा तिवारी, हर्ष मित्तल, डॉ. रेनू सिंह और अन्य सदस्य उपस्थित रहे। तत्पश्चात प्रेसिडेंट इलेक्ट एवं सेक्रेटरी इलेक्ट ने विभिन्न पहलुओं पर अपने प्रश्न रखे। सभी ने आने वाले चुनाव में 100 प्रतिशत मतदान करने और जागरूकता के लिए शपथ भी ली। अंत में होस्ट क्लब के सचिव दीपक शालिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया द्य

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती
शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

रुपया शुरुआती कारोबार में आठ पैसे की बढ़त के साथ 83.23 प्रति डॉलर पर

मुंबई एजेंसी। सकारात्मक घरेलू बाजारों और विदेशी कोषों के प्रवाह के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में आठ पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.23 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतें नरम पड़ने से निवेशकों की भावनाओं को बल मिला, जबकि विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.27 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद वह 83.23 प्रति डॉलर आ गया जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.31 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.34 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 89.70 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 1,659.27 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे।

4500 रुपये के पार जा सकता है टाटा का शेयर, रेखा झुनझुनवाला के पास हैं 4 करोड़ से ज्यादा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयरों में पिछले एक साल में 45 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। टाइटन के शेयर सोमवार को 3750.60 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि टाइटन के शेयर 4500 रुपये के पार जा सकते हैं। उनका कहना है कि टाइटन के शेयरों में 22 पर्सेंट का और उछाल देखने को मिल सकता है। मार्केट एक्सपर्ट्स ने यह बात टाइटन के तिमाही बिजनेस अपडेट के बाद एक नोट में कही है। दिग्गज निवेशक रेखा राकेश झुनझुनवाला ने टाइटन के शेयरों पर बड़ा दांव लगाया हुआ है। ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने एक नोट में कहा है कि टाइटन के शेयर 4500 रुपये के पार जा सकते हैं। सीएलएसए ने टाइटन के शेयरों के लिए 4574 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। यानी, मौजूदा शेयर प्राइस के मुकाबले कंपनी के शेयर 22 पर्सेंट चढ़ सकते हैं। टाइटन ने मार्च 2024 तिमाही के बिजनेस अपडेट में बताया है कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसका स्टैंडअलोन रेवेन्यू सालाना आधार पर 17 पर्सेंट बढ़ा है। कंपनी ने कहा है कि उसके डोमेस्टिक ज्वैलरी ऑपरेशंस में 19 पर्सेंट की ग्रोथ देखने को मिली है। टाइटन में दिग्गज इनवेस्टर रेखा राकेश झुनझुनवाला की बड़ी हिस्सेदारी है। रेखा झुनझुनवाला के पास टाइटन के 47695970 शेयर या कंपनी में 5.37 पर्सेंट हिस्सेदारी है। टाइटन के शेयरों में पिछले 5 साल में 243 पर्सेंट का तगड़ा उछाल आया है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 1096.10 रुपये से बढ़कर 3700 रुपये के पार पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले 10 साल में टाइटन के शेयरों में 1357 पर्सेंट की ताबड़तोड़ तेजी आई है। इस अवधि में टाइटन के शेयर 257.10 रुपये से बढ़कर 3750.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 3885 रुपये है। वहीं, टाइटन के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 2559.30 रुपये है।

शिक्षा की तरफ अनदेखी: ए प्लस डीएवीवी की गुणवत्ता को बढ़ाने को लेकर जनप्रतिनिधि उदासीन

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय-राष्ट्रीय मंच पर उच्च शिक्षा और शोध की गुणवत्ता बढ़ाने को लेकर केंद्र सरकार प्रयास करने में जुटी है। चार साल पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) भी लागू की गई। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अनुदान देकर शैक्षणिक संस्थानों को मजबूत करने में सहयोग किया जा रहा है। मगर कुछ संस्थानों के बेहतर कार्यों की अनदेखी की जा रही है। इसका ताजा उदाहरण मध्य प्रदेश का पहला ए प्लस ग्रेड विश्वविद्यालय देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी है। प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम यूएसएचए) (घटक-1) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के 100 करोड़ रुपये के अनुदान के आवेदन को फरवरी में खारिज कर दिया गया। यह राशि मिलने से विश्वविद्यालय की तस्वीर बदल सकती थी। संस्थान को राशि नहीं मिलने के बावजूद क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने अनुदान दिलवाने में कोई कोशिश नहीं की। विश्वविद्यालय ने अनुदान दिए जाने को लेकर दोबारा विचार करने की गुहार लगाई है, परंतु जनप्रतिनिधियों ने इस विषय पर अपनी बात केंद्र सरकार तक नहीं पहुंचाई। रूसा का नया संस्करण प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम यूएसएचए) के तहत मल्टी डिसिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (एमईआरयू) के माध्यम से विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रुपये अनुदान मिलना था। यह राशि शोध कार्य, शोध संबंधित उपकरणों, साइंस, कम्प्यूटर लैब और भवन सहित अन्य विकास कार्यों पर खर्च की जा सकती थी। वैसे 100-100 करोड़ रुपये उज्जैन, भोपाल और ग्वालियर विश्वविद्यालय को मिले है। ऐसा ही सेंटर आफ एक्सीलेंस देने के दौरान भी 2019 में हुआ था। विश्वविद्यालय ने 65 करोड़ रुपये के लिए प्रस्ताव भेजे थे, मगर विश्वविद्यालय को महज 1 करोड़ 80 लाख रुपये से संतोष करना पड़ा था। 60 साल पुराने विश्वविद्यालय को बेहतर बनाने में जनप्रतिनिधियों ने कभी दिलचस्पी नहीं दिखाई है। न तो प्रदेश और न केंद्र स्तर पर विश्वविद्यालय को सहयोग मिलना है, क्योंकि जनप्रतिनिधियों के मुद्दों में कभी शिक्षा का विषय नहीं रहा है। विश्वविद्यालय की जमीन बाकी विकास कार्यों को दिए जाने में ज्यादा रुचि दिखाई है। दो साल में थाने, पानी की टंकी और ट्रेंचिंग स्टेशन के लिए दी गई है।

विकास कार्यों के लिए विश्वविद्यालय ने जमीन दी है। बदले में छोटा बांगड़दा क्षेत्र में मेडिकल विश्वविद्यालय के लिए 50 एकड़ जमीन मिलना है, लेकिन दो साल बाद भी 25 एकड़ जमीन के दस्तावेज नहीं मिले हैं। शेष जमीन को लेकर एक भी जनप्रतिनिधि ने कोई पहल नहीं की है, जबकि यहीं पढ़ने वाले युवाओं से वोट की आस लगाकर बैठे रहते हैं।

कम हुए 80 कालेज, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दायरे में कालेजों की संख्या घटी

इंदौर। आगामी सत्र को लेकर प्रवेश से जुड़ी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है और कॉलेजों से पाठ्यक्रम, सीट संख्या और फीस के बारे में पूछा है। प्रबंधन को यह जानकारियां अगले 15 से 20 दिनों में विभाग को भेजना है। कालेजों से डाटा प्राप्त होने के बाद ई-प्रवेश पोर्टल पर जानकारी अपलोड की जाएगी। यह काम सरकारी और निजी कॉलेजों दोनों को करना है। साथ ही प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों से भी संबद्धता प्राप्त कालेजों की सूची मांगी है। अधिकारियों के मुताबिक, डाटा आने के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी। रजिस्ट्रेशन के लिए मई-जून के बीच लिंक खुलेंगी।2024-25 सत्र के लिए कई कालेजों ने कुछ नए पाठ्यक्रम और सीट संख्या में वृद्धि हुई है। यहां तक कि कुछ नए कालेज भी शुरू हुए है। ज्यादातर कॉलेजों में कला-वाणिज्य के अलावा विज्ञान संकाय से जुड़े पाठ्यक्रम भी संचालित करने को अनुमति मिली है। यहां तक कि संबंधित विश्वविद्यालय से संबद्धता भी जारी की गई है। अब उच्च शिक्षा विभाग ने कालेजों से पाठ्यक्रम का ब्यौरा मांगा है, जिसमें सीट संख्या और फीस की जानकारी भी देना है।ई-प्रवेश पोर्टल पर डाटा अपलोड करने से पहले विश्वविद्यालय को संबद्धता प्राप्त कालेजों की सूची देना होगी। उसके बाद ही कालेजों को प्रवेश प्रक्रिया से जोड़ा जा सकेंगे। वैसे इन दिनों प्रदेशभर में 1390 सरकारी और निजी कालेज है। यहां पारंपरिक यूजी-पीजी पाठ्यक्रम में पढ़ने वाले करीब 10 लाख से ज्यादा छात्र-छात्राएं है। अधिकारी के मुताबिक, कालेजों को पांच से सात बिंदुओं पर जानकारी तैयार कर भेजना है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दायरे में कालेजों की संख्या घट गई है। पहले पारंपरिक और व्यवसायिक पाठ्यक्रम संचालित करने वाले 240 कालेजों आते थे, लेकिन इस सत्र से खरगोन में टाट्या मामा विश्वविद्यालय बनने से करीब 80 कालेजों वहां शामिल हो चुके है। अब विश्वविद्यालय के पास 160 कालेजों है। यहां करीब दो लाख छात्र-छात्राएं पढ़ते है। कालेज अलग होने से विश्वविद्यालय को आर्थिक नुकसान भी हुआ है, क्योंकि परीक्षा फीस और संबद्धता शुल्क की राशि नहीं मिलेगी।

अनंत अंबानी 10 करोड़ रुपये की गाड़ी में बैठकर शॉपिंग करने पहुंचे

2020 में भारत में लॉन्च हुई थी यह गाड़ी, केवल तीन लोगों के पास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा है। इंस्टाग्राम पर एक यूजर ने यह वीडियो पोस्ट किया है। इसमें अनंत अंबानी 10 करोड़ रुपये की गाड़ी में बैठकर दुबई में शॉपिंग करने पहुंचे। कड़ी सुरक्षा के बीच वह एक ओरेंज रॉल्स-रॉयस कलिनन ब्लैक बेज में बैठकर दुबई मॉल में आते हैं। उनकी सुरक्षा में 20 गाड़ियों का एक काफिला है। हुरून इंडिया लग्जरी कंज्यूमर सर्वे 2023 के मुताबिक लग्जरी एसयूवी में रॉल्स-रॉयस कलिनन भारतीयों की पहली पसंद है। कंपनी ने अपनी कलिनन ब्लैक बैज कार 2020 में भारत में लॉन्च की थी। भारत में इसकी कीमत करीब 8.2 करोड़ रुपये है। टैक्स लगाकर इसकी कीमत करीब 10 करोड़ रुपये बैठती है। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान के पास भी यह गाड़ी है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी 12 जुलाई को मुंबई में होनी है। पिछले महीने जामनगर में उनकी प्री-वेडिंग सेरेमनी हुई थी। इसमें दुनियाभर की कई जानी-मानी हस्तियों ने हिस्सा लिया था। इनमें ग्लोबल पॉप आइकन रिहाना, मेटा प्लेटफॉर्म्स के बॉस मार्क जकरबर्ग और माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स शामिल थे। इस इवेंट का एक वीडियो काफी वायरल हुआ था। इसमें मार्क जकरबर्ग और उनकी पत्नी अनंत अंबानी से उनकी घड़ी के बारे में पूछ रहे थे।

पैरामाउंट कम्युनिकेशंस लिमिटेड को आईसीआरए द्वारा बीबीबी- क्रेडिट रेटिंग दी गई

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के वायर और केबल इंडस्ट्री में एक प्रमुख खिलाड़ी, पैरामाउंट कम्युनिकेशंस लिमिटेड (बीएसई 530555, एनएसई) ने घोषणा की है कि क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने कंपनी को पर बैंक फैसिलिटीज़ द्वारा लॉन्ग-टर्म रेटिंग दी है। फाइनेंशियल ईयर 24 की तीसरी तिमाही और फाइनेंशियल ईयर 24 के नौ माह के लिए, ऑपरेशनल रेवेन्य 30.3 प्रतिशत बढ़ गया, जो फाइनेंशियल ईयर 23 की तीसरी तिमाही में 2,180.9 मिलियन रुपये से फाइनेंशियल ईयर 24 की तीसरी तिमाही में 2,842.5 मिलियन रुपये हुआ और 25.7 प्रतिशत से बढ़कर फाइनेंशियल ईयर 23 के नौ माह में 5,943.9 मिलियन रुपये से फाइनेंशियल ईयर 24 के नौ माह में 7,472.3 मिलियन रुपये हुआ।

करोड़ों प्राइवेट और सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने अपने करोड़ों सदस्यों के लिए नियमों में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत अब अगर कोई ईपीएफओ सदस्य नौकरी बदलता है तो उसकी पीएफ की राशि नई कंपनी या नियोक्ता के पास ऑटोमेटिक ट्रांसफर हो जाएगी। सदस्य को इसके लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। नए नियम को लागू कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि नई सुविधा शुरू होने के बाद कर्मचारियों को पुरानी से नई कंपनी में पीएफ राशि ट्रांसफर कराने के लिए फॉर्म-31 नहीं भरना होगा। पहले नौकरी बदलते समय पीएफ खाताधारकों को यूनिवर्सल अकाउंट नंबर होने के बावजूद इसके लिए आवेदन संबंधी औपचारिकताएं करनी पड़ती थी। इसके तहत विशेष तरह का फॉर्म-31 भरकर जमा कराना होता था। इसके बाद राशि कुछ दिनों में नई कंपनी में ट्रांसफर कर दी जाती थी। नई व्यवस्था में कई औपचारिकताएं पूरी करने से मुक्ति मिल

जाएगी। गौरतलब है कि जब कोई कर्मचारी नौकरी बदलता है तो उसके यूएएन (पीएफ खाते) में नई कंपनी या नियोक्ता जुड़ जाता है। उसे ईपीएफओ की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पुराने पीएफ खाते को नए खाते से जोड़ना होता था। इस प्रक्रिया में ईपीएफओ सदस्यों को कई बार दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। गड़बड़ी होने की आशंका बनी रहती थी। इसके अलावा पुराने और नए नियोक्ता को भी इसकी औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ती थी। अब सदस्य की कोई भूमिका इस प्रक्रिया में नहीं होगी।

यूनिवर्सल अकाउंट नंबर पीएफ खाताधारक के लिए केंद्रीयकृत मंच के तौर पर काम करता है। यह एक सदस्य को कई पीएफ खातों को एक साथ जोड़ने की सुविधा देता है। इसके अलावा यूएएन अन्य सेवाएं भी प्रदान करता है। इसके तहत ईपीएफओ सदस्य इसकी मदद से अपना यूएएन कार्ड और पीएफ की पासबुक डाउनलोड कर सकता है। एसएमएस के जरिए कुल शेष राशि की जानकारी हासिल की जा सकता है। ईपीएफओ के नियम के अनुसार, कर्मचारियों को पीएफ के लिए अपने मूल वेतन का 12 फीसद योगदान देना होता है। नियोक्ताओं को भी इसके बराबर का योगदान देना होता है। इसी खाते के जरिए किसी कर्मचारी को आगे चलकर पेंशन दी जाती है।

NEET UG 2024: NTA to reopen application window today April 9

The National Testing Agency (NTA) reopen the online application forms today 9 April for the National Eligibility-cum-Entrance Test (NEET (UG) 2024. Candidates who are yet to submit their forms can fill applications at the official website — neet.ntaonline.in. Earlier, the NTA had extended the registration deadline from March 9 to 16. "A few requests were received from the candidates to re-open the registration window of NEET (UG) – 2024 as they could not fill their form due to various unavoidable reasons," NTA said in an official notice.

Aspirants also need to pay an application fee. For Indian candidates belonging to General Category, the registration fee is Rs 1,700. However, there are relaxations for the reserved categories. For General-EWS/ OBC-NCL, the application fee is Rs 1,600 and for SC/ ST/ PwBD/ third gender, it is Rs 1,000. "Candidates should note that this is a one-time opportunity, so they are advised to use it carefully as no further chance will be given for applying for NEET (UG) – 2024. Please make a note of this and fill the online Application Form accordingly," NTA stated. As per the data provided by the NTA, this time a total of 23,81,833 students have registered for NEET UG 2024, of which over 10 lakh are male students, over 13 lakh are girls and 24 students have registered under the 'third gender' category. NEET UG 2024 is scheduled to be conducted on May 5 from 2 to 5 pm in about 571 cities throughout the country and 14 cities outside India in pen and paper (offline) mode.

A candidate can opt for login and identification for the online submission form to register with the following options:

- Aadhaar card
- Digi locker
- ABC ID
- Passport
- Pan Card
- School/ Any other valid Govt. Identity Card with a photograph

सीईओ के हटने के बाद 40 प्रतिशत तक गिर सकता है बंधन बैंक का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के एक बैंक के शेयर रखने वाले निवेशकों के लिए बुरी खबर है। बंधन बैंक के संस्थापक और सीईओ चंद्र शेखर घोष के रिटायरमेंट के बाद से उसके शेयर 40 पर्सेंट तक गिर सकते हैं। उन्होंने इस साल 9 जुलाई को रिटायरमेंट ले लिया था। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने बंधन बैंक की रेटिंग बाय से डाउनग्रेड करके अंडरपरफॉर्म कर दिया गया है। ब्रोकरेज ने बंधन बैंक का टार्गेट प्राइस 40 प्रतिशत घटाकर ?290 से घटाकर ?170 कर दिया है। इस संशोधित टार्गेट प्राइस मौजूदा स्तरों से 14 प्रतिशत की संभावित गिरावट का संकेत देता है। 2024 में अब तक बंधन बैंक के शेयरों का निफ्टी बैंक इंडेक्स पर सबसे खराब प्रदर्शन रहा है, जिसमें लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। अगर बंधन बैंक के शेयरों का हालिया प्रदर्शन देखें तो पिछले पांच कारोबारी सेशन में 7 फीसद से अधिक की बढ़त दर्ज की है।

82,000 के करीब पहुंची चांदी की कीमत, सोने ने भी तोड़े सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सोने-चांदी के दाम लगातार नए रिकॉर्ड बना रहे हैं और सोना मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर पहली बार 71,000 रुपए के पार निकल गया है। चांदी में भी शानदार उछाल के बाद 81,000 रुपए से ऊपर के दाम देखे जा रहे हैं और इसमें 1000 रुपए से ज्यादा का उछाल है तो ये 82,000 रुपए के भी बेहद करीब आ चुकी है। चांदी में कभी भी 82,000 रुपए के लेवल भी पार हो सकते हैं। सोना अभी तक के सबसे महंगे भाव पर चला गया है और एमसीएक्स पर इसका सर्वाधिक ऊंचा दाम 71057 रुपए प्रति 10 ग्राम के रेट पर है। सोने में करीब आज 400 रुपए से ज्यादा का उछाल देखा जा रहा है और ये अब तक के सबसे हाई रेट पर कारोबार कर रहा है।

चांदी की चमक तो आज बेहतरीन रूप से बढ़ी है और कारोबार खुलते ही इसमें 1040 रुपए से ज्यादा की तेजी देखी गई है। चांदी 81,000 रुपए की

कीमतों को तो पार कर ही चुकी है और अब ये 82,000 रुपए के करीब जा रही है। एमसीएक्स पर चांदी का मई वायदा 81955 रुपए प्रति किलो के रेट पर आ चुका है जो इसका ऑलटाइम हाई लेवल है।

विदेशी बाजार में भी सोना और चांदी दोनों धमाकेदार तेजी का प्रदर्शन कर रहे हैं। कॉमैक्स पर गोल्ड जून फ्यूचर्स 15.60 डॉलर प्रति औंस की बढ़त के साथ 2,361.25 डॉलर प्रति औंस पर बना हुआ है। वहीं कॉमैक्स पर ही चांदी मई फ्यूचर्स कॉन्ट्रेक्ट 27.902 डॉलर प्रति औंस के रेट पर ट्रेड कर रही है। अक्षय तृतीया का पर्व आने वाली 10 मई को है और इससे पहले ही सोने के दाम में जोरदार बढ़त से गहने खरीदने वालों के सामने चिंता है कि इस बार सोने-चांदी के सिक्के या गहने कैसे खरीदे जाएंगे।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने गुरुग्राम में केवल 3 दिन में बेच डाले 3000 करोड़ रुपये से अधिक के 1,050 लक्जरी मकान

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने गुरुग्राम में अपनी नई परियोजना पेश करने के तीन दिन के अंदर ही 3,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 1,050 से अधिक मकान बेच दिए। कंपनी के इस अपडेट के बाद गोदरेज प्रापर्टी के शेयर 2692 रुपये के हाई पर पहुंच गया। यह इसका 52 हफ्ते का नया हाई है। दोपहर 12 बजे के करीब स्टॉक 6.16 फीसद ऊपर 2454.45 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

गोदरेज प्रापर्टी की यह उपलब्धि आवासीय क्षेत्र में मजबूत बिक्री गति को दर्शाता है। पिछले 18 महीने में गुरुग्राम में पेश की गई आवासीय परियोजनाएं सफल रही हैं। वहां अपार्टमेंट बिक्री के लिए पेश किए जाने के कुछ दिन के भीतर ही बिक जाते हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया, मूल्य और बिक्री के मामले में यह गोदरेज प्रॉपर्टीज की अभी तक की सबसे

सफल परियोजना रही। यह परियोजना गुरुग्राम में जीपीएल का सबसे बड़ा आवासीय ग्रोथ है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी गौरव पांडे ने कहा, गुरुग्राम गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण बाजार है। हम आने वाले वर्षों में गुरुग्राम में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

जीपीएल ने कहा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में गुरुग्राम में बिक्री में सालाना आधार पर 473 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एक मजबूत आधार पेश करती है। गोदरेज प्रॉपर्टीज व्यवसाय समूह गोदरेज ग्रुप का हिस्सा है। यह देश के अग्रणी डेवलपर्स में से एक है। यह मुख्य रूप से मुंबई महानगर क्षेत्र, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु में आवासीय परियोजनाओं का विकास करता है। इसने हाल ही में हैदराबाद बाजार में प्रवेश किया है।

हिंदू नववर्ष पर जरूर निभाएं ये शुभ परंपराएं

गुड़ी पड़वा की शुरुआत चैत्र प्रतिप्रदा से होती है और इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ भी हो जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार नववर्ष का प्रारंभ 09 अप्रैल को हो रहा है। इसे विक्रम संवत भी कहते हैं, जो प्राचीन हिन्दू पंचांग और कैलेंडर पर आधारित है। राजा विक्रमादित्य ने खगोलविदों की मदद से इसे व्यवस्थित करके प्रचलित किया था। इसे नवसंवत्सर भी कहते हैं। आओ जानते हैं इसकी 5 शुभ परंपराएं।

घर की सजावट

सूर्योदय से पूर्व उठकर घर की साफ सफाई करने के बाद घर को तोरण, मांडना या रंगोली आदि से सजाया जाता है। इस दिन नव संवत्सर का पूजन, नवरात्र घटस्थापना, ध्वजारोपण आदि विधि-विधान किए जाते हैं। प्रत्येक राज्य में इस पर्व को वहां की स्थानीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार मनाते हैं।

ध्वजा लहराना और गुड़ी लगाना

लोग प्रातः जल्दी उठकर शरीर पर तेल लगाने के बाद स्नान करते हैं। स्नान आदि से निवृत्त होने के बाद मराठी समाज गुड़ी को बनाकर उसकी पूजा करके घर के द्वारा पर ऊंचे स्थान पर उसे स्थापित करते हैं, जबकि अन्य समाज के लोग धर्म ध्वजा को मकान के उपर लहराते हैं। गुड़ी पड़वा दो शब्दों से मिलकर बना हैं। जिसमें गुड़ी का अर्थ होता हैं विजय पताका और पड़वा का मतलब होता है प्रतिपदा। इस दिन सभी हिन्दू अपने घरों पर भगवा ध्वज लहराकर उसकी पूजा करते हैं। इस कार्य को विधि पूर्वक किया जाता है जिसमें किसी भी प्रकार की गलती नहीं करना चाहिए।

पारंपरिक व्यंजन

इस दिन श्रीखंड का सेवन करके ही दिन की शुरुआत करते हैं। इसी के साथ घर आए मेहमानों को श्रीखंड खिलाया जाता है और श्रीखंड का वितरण भी किया जाता है। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है। इसी के साथ इस दिन पारंपरिक व्यंजन तैयार किए जाते हैं जैसे पूरन पोली, पुरी और मीठे चावल जिन्हें लोकप्रिय रूप से सक्कर भात कहा जाता हैं। हर प्रांत के अपने अलग व्यंजन होते हैं।

जुलूस का आयोजन और मिलन समारोह

इस दिन जुलूस का आयोजन भी होता है। लोग लोग नए पीले परिधानों में तैयार होते हैं और एक दूसरे से मिलकर नव वर्ष की बधाई देते हैं। लोग अपने दोस्तों और परिवार के साथ उत्सव का आनंद लेते हैं और सड़क पर जुलूस का हिस्सा बनते हैं।

अन्य परंपराएं

इस दिन कड़वे नीम का सेवन आरोग्य के लिए अच्छा माना जाता है। इस दिन कोई अच्छा कार्य किया जाता है। जैसे प्याऊ लगाना, ब्राह्मणों या गायों को भोजन कराना। इस दिन बहिखाते नए किए जाते हैं। इस दिन से दो दिन के लिए दुर्गा सप्तशति का पाठ या राम विजय प्रकरण का पाठ की शुरुआत की जाती है। इस दिन नए संकल्प लिए जाते हैं। इस दिन किसी योग्य ब्राह्मण से पंचांग का भविष्यफल सुना जाता है। इस दिन हनुमान पूजा, दुर्गा पूजा, श्रीराम, विष्णु पूजा, श्री लक्ष्मी पूजा और सूर्य पूजा विशेष तौर पर की जाती है।

गुड़ी पड़वा के पीछे का मिथक

गुड़ी पड़वा को लेकर कई कहानियां और पौराणिक संदर्भ हैं। पवित्र हिंदू ग्रंथों में से एक, ब्रह्म पुराण में, यह उल्लेख किया गया है कि भगवान ब्रह्मा ने एक प्राकृतिक आपदा के बाद दुनिया को फिर से बनाया, जिससे सभी लोग मर गए और समय रुक गया। इस दिन, ब्रह्मा के प्रयास के बाद, समय फिर से शुरू हुआ और न्याय और सत्य का युग शुरू हुआ। इसी कारण से इस दिन भगवान ब्रह्मा की पूजा की जाती है। एक अन्य कहानी में कहा गया है कि भगवान राम 14 वर्ष का वनवास बिताने के बाद सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे। यह दिन भगवान राम की रावण पर विजय का जश्न मनाता है। इसलिए, गुड़ी या ब्रह्मा का झंडा घरों में फहराया जाता है जैसे कि राम की रावण पर जीत के बाद विजय ध्वज के रूप में इसे अयोध्या में फहराया गया था। हालाँकि, गुड़ी का एक और ऐतिहासिक महत्व है। इतिहास गवाह है कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों को हराया और राज्य के लोगों को मुगल शासन से मुक्त कराया। यह एक प्रमुख कारण है कि महाराष्ट्र के लोग इस दिन गुड़ी फहराते हैं। ऐसा माना जाता है कि झंडा किसी भी प्रकार की बुराई को घरों के परिसर में प्रवेश करने से रोकता है।

उदया तिथि के आधार पर चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से शुरू होगी। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग रहेगा। वैदिक ज्योतिष में इन योगों में पूजा बहुत ही शुभ फलदायी होती है।

9 अप्रैल से चैत्र नवरात्रि आरंभ

घटस्थापना शुभ मुहूर्त पूजा विधि और नियम

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। एक वर्ष में कुल चार नवरात्रि आती है, पहला चैत्र नवरात्रि, दूसरा शारदीय नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि। हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से चैत्र नवरात्रि आरंभ हो जाती है। चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ होने के साथ ही नया हिंदू वर्ष भी आरंभ होता है। चैत्र नवरात्रि पर लगातार 9 दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना और मंत्रोचार किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि पर देवी दुर्गा पृथ्वी लोक आती है और अपने सभी भक्तों की हर एक मनोकामना को पूर्ण करती हैं। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व 09 अप्रैल, मंगलवार से शुरू हो रहे हैं और समापन 17 अप्रैल को राम नवमी पर होगा।

चैत्र नवरात्रि तिथि 2024

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि के त्योहार को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि इस वर्ष 08 अप्रैल को रात 11 बजकर 50 मिनट से शुरू हो जाएगी जो अगले दिन यानी 09 अप्रैल 2024 को रात को 08 बजकर 30 मिनट पर खत्म होगी। ऐसे में उदया तिथि के आधार पर चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से शुरू हो जाएगी। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग रहेगा। वैदिक ज्योतिष में इन योगों में पूजा बहुत ही शुभ फलदायी होती है।

चैत्र नवरात्रि कलश स्थापना पूजा विधि

नवरात्रि पर मां दुर्गा की उपासना का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि पर 9 दिनों तक उपवास रखा जाता है। नवरात्रि के पहले दिन सुबह घर को साफ-सुथरा करके मुख्य द्वार के दोनों तरफ स्वास्तिक बनाएं और सुख-समृद्धि के लिए दरवाजे पर आम या अशोक के ताज़े पत्तों का तोरण लगाएं। इस दिन सुबह स्नानादि करके माता दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर को लकड़ी की चौकी या आसन पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाकर स्थापित करना चाहिए। मां दुर्गा की मूर्ति के बाईं तरफ श्री गणेश की मूर्ति रखें। उसके बाद माता के समक्ष मिट्टी के बर्तन में जौ बोएं,जौ समृद्धि व खुशहाली का प्रतीक माने जाते हैं। माँ की आराधना के समय यदि आपको कोई भी मन्त्र नहीं आता हो तो केवल दुर्गा सप्तशती में दिए गए नवार्ण मंत्र ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे से पूजा कर सकते हैं व यही मंत्र पढ़ते हुए पूजन सामग्री अर्पित करें। देवी को श्रृंगार का सामान और नारियल-चुन्नी जरुर चढ़ाएं। अपने पूजा स्थल से दक्षिण-पूर्व की तरफ घी का दीपक जलाते हुए ऊँ दीपो ज्योतिः परब्रह्म दीपो ज्योतिर्र जनार्दनः। दीपो हरतु में पापं पूजा दीप नमोस्तुते यह मंत्र पढ़ें और आरती करें। देवी माँ की पूजा में शुद्ध देसी घी का अखंड दीप जलाएं।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से आरंभ हो रहे हैं। प्रतिपदा तिथि पर कलश स्थापना के साथ ही नवरात्रि पर्व पर देवी दुर्गा की आराधना का महापर्व शुरू होता है। नवरात्रि के पहले दिन यानी चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि पर शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखते हुए करना शुभ माना जाता है। वैदिक पंचांग की गणना के मुताबिक 09 अप्रैल को सुबह 07 बजकर 32 मिनट तक पंचक रहेगा। यानी पंचक के समाप्त के बाद घट स्थापना करना शुभ रहेगा। 09 बजकर 11 मिनट पर अशुभ चौघड़िया रहेगा इस कारण से इस समय घट स्थापना न करें। पंचांग की गणना के मुताबिक शुभ चौघड़िया 09 बजकर 12 मिनट से 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना कर सकते हैं। 09 अप्रैल को कलश स्थापना के लिए सबसे अच्छा मुहूर्त 11 बजकर 57 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। क्योंकि यह अभिजीत मुहूर्त है। कलश स्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त सर्वश्रेष्ठ होता है। इसके अलावा इस समय वैधृत योग और अश्विनी नक्षत्र का संयोग भी रहेगा। ऐसे में घटस्थापना, पूजा का संकल्प लेना और मंत्रों का जाप करना शुभ फलदायी रहेगा।

ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 04.31 से 05.17 तक
अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11.57 से दोपहर 12.48 तक
विजय मुहूर्त- दोपहर 02.30 से दोपहर 03.21 तक
गोधूलि मुहूर्त- शाम 06.42 से शाम 07.05 तक
अमृत काल- रात्रि 10.38 से रात्रि 12.04 तक
निशिता काल- रात्रि 12.00 से 12.45 तक
सर्वार्थ सिद्धि योग- सुबह 07.32 से शाम 05.06 तक
अमृत सिद्धि योग- सुबह 07.32 से शाम 05.06 तक

नौ दिन के 9 कार्य

मूर्ति और कलश स्थापना

माता की मूर्ति लाकर उसे विधि विधान से घर में स्थापित किया जाता है। इसके साथ ही घर में घट या कलश स्थापना भी की जाती है। साथ ही एक दूसरे कलश में जावरे या जौ उगाए जाते हैं।

माता का जागरण

कई लोग अपने घरों में माता का जागरण रखते हैं। खासकर पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल आदि प्रदेशों में किसी एक खास दिन रातभर भजन-कीर्तन होते हैं। इन नौ दिनों में गरबा नृत्य का आयोजन भी होता है।

व्रत रखना

पूरे नौ दिन व्रत रखा जाता है। इसमें अधिकतर लोग एक समय ही भोजन करते हैं। प्रतिदिन दुर्गा चालीसा, चंडी पाठ या दुर्ग सप्तशती का पाठ करते हैं।

कन्या भोज

जब व्रत के समापन पर उद्यापन किया जाता है तब कन्या भोज कराया जाता है।

इनकी होती है पूजा

इस नवरात्रि में नौ देवियों में शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री का पूजन विधि विधान से किया जाता है।

नौ भोग और औषधि

शैलपुत्री कुट्टू और हरड़, ब्रह्मचारिणी दूध-दही और ब्राह्मी, चन्द्रघंटा चौलाई और चन्दुसूर, कूष्मांडा पेठा, स्कंदमाता श्यामक चावल और अलसी, कात्यायनी हरी तरकारी और मोइया, कालरात्रि कालीमिर्च, तुलसी और नागदौन, महागौरी साबूदाना तुलसी, सिद्धिदात्री आंवला और शतावरी।

नौ दिन के प्रसाद

पहले दिन घी, दूसरे दिन शक्कर, तीसरे दिन खीर, चौथे दिन मालपुए, पांचवें दिन केला, छठे दिन शहद, सातवें दिन गुड़, आठवें दिन नारियल और नौवें दिन तिल का नैवेद्य लगाया जाता है।

माता को अर्पित करें ये भोग

खीर, मालपुए, मीठा हलुआ, पूरणपोळी, मीठी बूंदी, घेवर, पंच फल, मिष्ठान, घी, शहद, तिल, काला चना, गुड़, कड़ी, केसर भात, साग, पूड़ी, भजिये, कद्दू या आलू की सब्जी भी बनाकर भोग लगा सकते हैं।

हवन

कई लोगों के यहां सप्तमी, अष्टमी या नवमी के दिन व्रत का समापन होता है तब अंतिम दिन हवन किया जाता है।

विसर्जन

अंतिम दिन के बाद अर्थात नवमी के बाद माता की प्रतिमा और जवारे का विसर्जन किया जाता है।

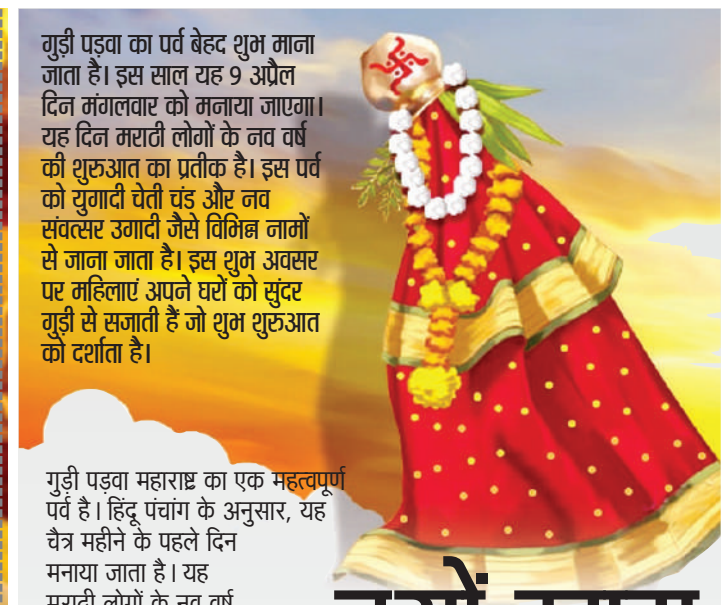

गुड़ी पड़वा का पर्व बेहद शुभ माना जाता है। इस साल यह 9 अप्रैल दिन मंगलवार को मनाया जाएगा। यह दिन मराठी लोगों के नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। इस पर्व को युगादी चेती चंड और नव संवत्सर उगादी जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। इस शुभ अवसर पर महिलाएं अपने घरों को सुंदर गुड़ी से सजाती हैं जो शुभ शुरुआत को दर्शाता है।

क्यों खास है गुड़ी पड़वा

गुड़ी पड़वा महाराष्ट्र का एक महत्वपूर्ण पर्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह चैत्र महीने के पहले दिन मनाया जाता है। यह मराठी लोगों के नव वर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक है। इस दिन मराठी समुदाय के लोग अपने घरों के बाहर समृद्धि के प्रतीक गुड़ी को लगाते हैं और पूजा करके गुड़ी पड़वा मनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह परंपरा पूरे साल खुशियां, सफलता और समृद्धि लाती है। इस साल गुड़ी पड़वा 9 अप्रैल, 2024 दिन मंगलवार को मनाया जाएगा। यह हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2081 और शुभ चैत्र नवरात्रि की शुरुआत के साथ भी मेल खाता है। युगादी, चेती चंड और नव संवत्सर उगादी जैसे विभिन्न नामों से जाना जाने वाला यह पर्व चैत्र प्रतिपदा उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है।

गुड़ी पड़वा का अर्थ

गुड़ी का मतलब है ध्वज यानी झंडा और प्रतिपदा तिथि को पड़वा कहा जाता है। यह रबी फसलों की कटाई का प्रतीक है। ऐसा कहा जाता यही वह दिन है, जब भगवान ब्रह्मा ने ब्रह्मांड के निर्माण की शुरुआत की थी। यह दिन महाराष्ट्र में बड़ी भव्यता और दिव्यता के साथ मनाया जाता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ा है गुड़ी पड़वा का पर्व

महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा का पर्व मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की जीत के रूप में मनाया जाता है। इसे लोग विजय ध्वज के समान अपने घरों के बाहर फहराते हैं। यह पर्व हिंदू विजय और समृद्धि का प्रतीक है। क्यों खास है गुड़ी पड़वा का पर्व महिलाएं स्नान के बाद अपने घरों को सुंदर गुड़ी से सजाती हैं, जो शुभ शुरुआत को दर्शाता है। गुड़ी को पारंपरिक रूप से एक बांस की छड़ी का उपयोग करके तैयार किया जाता है, जिसके ऊपर एक उल्टा चांदी, तांबा या पीतल का बर्तन रखा जाता है। इसके बाद केसरिया रंग के कपड़े, नीम या आम के पत्तों और फूलों से सजाकर इसे घर के सबसे ऊंचे स्थान पर लगाया जाता है। इसके अलावा लोग अपने प्रवेश द्वारों को रंगीन रंगोलियों से सजाते हैं, और प्रसाद के रूप में पूरन पोली और श्रीखंड जैसे विशेष व्यंजन तैयार करते हैं।

ध्वज के बिना अधूरा है गुड़ी पड़वा का त्योहार

हिंदी कैलेंडर के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से हिंदू नववर्ष की शुरुआत मानी जाती है। ऐसे में साल 2024 में 09 अप्रैल से हिंदू नववर्ष की शुरुआत होने जा रही है। भारत के कई राज्यों में हिंदू नववर्ष को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मराठी में इसे गुड़ी पड़वा कहा जाता है जो एक महत्वपूर्ण त्योहार है।

हिंदी कैलेंडर के अनुसार, गुड़ी पड़वा का त्योहार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन लोग नए वस्त्र धारण करते हैं और अपने घरों को सजाते हैं। इस विशेष अवसर पर भगवान विष्णु के साथ-साथ ब्रह्मा जी की भी पूजा की जाती है।

गुड़ी पड़वा पूजा विधि

सबसे पहले गुड़ी पड़वा के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करलें। इसे बाद पूरे घर की अच्छे से साफ-सफाई करने के बाद घर के मुख्य द्वार को आम के पत्ते की तोरण लगाएं और घर को रंगोली से सजाएं। अब घर के किसी एक हिस्से में गुड़ी लगाएं और उसे फूलों से सजाएं। गुड़ी पड़वा के दिन पूरे परिवार के साथ विधि- विधान पूर्वक ब्रह्मा जी पूजा करें। तत्पश्चात गुड़ी फहराने के बाद भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करें।

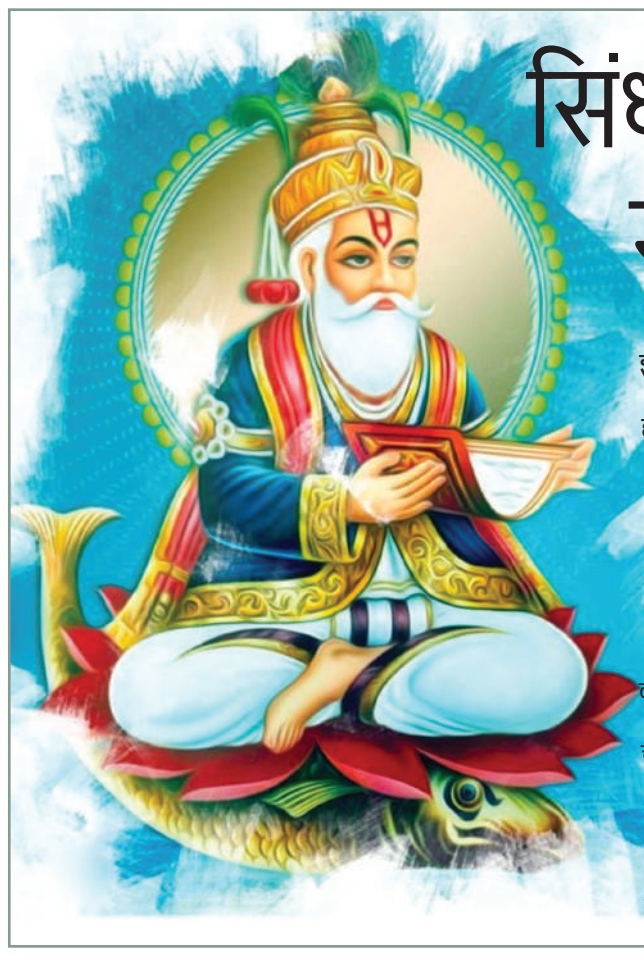

सिंधी समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है चेटी चंद

चेटी चंड पर्व सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व से सिंधी समाज के नववर्ष की शुरुआत भी होती है। यह पर्व हर साल चैत्र शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर मनाया जाता है।

चैत्र के महीने को सिंधी में चेत कहा जाता है। चेती माह के दौरान चंद्रमा के पहली बार दिखाई देने के कारण इस पर्व को चेटी चंद कहा जाता है। सिंधी मान्यताओं के अनुसार, यह दिन अत्यधिक शुभ माना जाता है और इसे बहुत-ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन पर सिंधी लोग जल की पूजा करते हैं। वहीं नए उद्यम शुरू करने के लिए भी इस दिन को बहुत ही शुभ और अनुकूल माना जाता है। चलिए जानते हैं सिंधी समाज के लिए यह पर्व इतना महत्व क्यों रखता है।

चैत्र माह के प्रतिपदा तिथि 08 अप्रैल को रात्रि 11 बजकर 50 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं, इस तिथि का समापन 09 अप्रैल रात 08 बजकर 30 मिनट पर होगा। ऐसे में चेटीचंड का पर्व 09 अप्रैल, मंगलवार के दिन मनाया जाएगा। इस दौरान पूजा का शुभ मुहूर्त कुछ इस प्रकार रहेगा- चेटी चंड मुहूर्त - शाम 06 बजकर 44 मिनट से 07 बजकर 29 मिनट तक

चेटीचंड का महत्व

सिंधी समाज के ईष्टदेव, संत झूलेलाल को वरुण देवता का ही अवतार माना जाता है। सिंधी समाज की मान्यताओं के अनुसार, सिंधियों के संरक्षक संत भगवान झूलेलाल का जन्म सद्भावना और भाईचारा बढ़ाने के लिए हुआ। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, समुरा नामक दमनकारी शासक सिंधी समाज के लोगों पर इस्लाम अपनाने का दबाव बना रहा था। तब सिंधियों ने जबरन धर्म परिवर्तन से बचाने के लिए नदी देवता से प्रार्थना की। इसके बाद वरुण देवता ने संत झूलेलाल के रूप में जन्म लेकर सिंधी लोगों को उसके अत्याचारों से मुक्त करवाया। विशेष दिन पर भगवान झूलेलाल की पूजा की जाती है और पारम्परिक नृत्य और लोक कलाओं के माध्यम से यह पर्व मनाया जाता है।

चेटी चंद की परंपराएं

भारत को विविध धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले देश के रूप में जाना जाता है और यह कई प्रकार के त्योहार मनाता है। ऐसा ही एक त्यौहार है चेटी चंद जो सिंधी समुदाय द्वारा मनाया जाता है। चेटी चंद एक विशेष त्योहार है जो सिंधियों के लिए हिंदू नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। चेटी चंद की तिथि चंद्र-सौर हिंदू कैलेंडर के चंद्र चक्र पर आधारित है, जो वर्ष के पहले दिन, चेत के सिंधी महीने में पड़ती है। जैसे गुड़ी पड़वा मराठियों के लिए नया साल है, वैसे ही चेटी चंद, जो उसी दिन पड़ता है, सिंधियों के लिए नए साल का दिन है। चेटी चंद को वरुण देव (जल देवता) साईं उदेरोलाल के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जिन्हें झूलेलाल के नाम से जाना जाता है।

कौन हैं भगवान झूलेलाल

उसके अत्याचार से मुक्ति पाने के लिए सभी ने सिंधू नदी के किनारे लोगों ने पूजा पाठ, जप, व्रत आदि किए थे. कई दिनों तक पूजन चलता था. भक्तों की कड़ी तपस्या से प्रसन्न होकर मछली पर भगवान झूलेलाल प्रकट हुए और उन्होंने भक्तों से कहा कि वह 40 दिन बाद सिंधी समाज में जन्म लेंगे. इसके ठीक 40 दिन बाद चैत्र सुदी दूज पर उनके बताए स्थान पर एक चमत्कारी बालक ने श्रीरतनराय लोहाना के घर जन्म लिया, यही भगवान झूलेलाल कहे गए.

संक्षिप्त समाचार

दिनेश कार्तिक से 11 साल पहले हुई थी गलती, आज भी है मलाल

नईदिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर अपने क्रिकेट करियर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलना चाहते हैं। कार्तिक का जन्म चेन्नई में ही हुआ था। उन्होंने यह भी माना कि मुंबई इंडियंस उन्हें एक बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद कर सकती थी। कार्तिक ऑस्ट्रेलिया में खेले गए पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद भारत के लिए कोई मैच नहीं खेला है।

दिनेश कार्तिक आईपीएल 2013 में चैंपियन बनने वाली मुंबई इंडियंस से अलग हो गए थे। उन्होंने ने रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर कहा, मेरे क्रिकेट करियर में बहुत ज्यादा मलाल नहीं है - एक तो यह होगा कि मैं 2013 में रिटेन नहीं होना चाहता था, मुंबई इंडियंस मुझे वाकई में बड़ा खिलाड़ी बनने में मदद कर सकती थी और दूसरा यह कि मैं सीएसके का हिस्सा नहीं बन सका, लेकिन मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं क्योंकि उन्होंने हर बार मेरे लिए बोली लगाई।

विराट कोहली पर मचा बवाल, अब मैदान में कूदे बाबर आजम

नईदिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली ने पिछले सप्ताह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी 8वीं सेंचुरी बनाई. इसके बावजूद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हार का सामना करना पड़ा. बेंगलुरु की हार के बाद से ही कोहली की सेंचुरी पर बवाल मचा हुआ है. इस पारी में उनका स्ट्राइक रेट एक बड़ा मुद्दा बन गया है. कोहली की इस इनिंग को लेकर पाकिस्तानी क्रिकेटर्स आपस में ही भिड़ गए. वहीं मॉडर्न क्रिक्रेट में स्ट्राइक रेट पर चल रहे डिबेट पर बाबर आजम ने इस अप्रोच का बचाव किया है.

बाबर आजम भी व्हाइट बॉल क्रिकेट में अपनी स्ट्राइक रेट को लेकर अक्सर ट्रोल किए जाते रहे हैं. उन्होंने एक पॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा कि क्रिकेट फास्ट होती जा रही है. आपको उसके हिसाब से ढलना है. आजकल लोग स्ट्राइक रेट के बारे में बड़ी बाते करते हैं. लेकिन आपको किसी को संतुष्ट या खुश करने के लिए नहीं खेलना है. मैं किसी को खुश नहीं कर सकता हूं. मुझे कैसे मैच जीताना है, कैसे इनिंग बिल्ड करनी है, मेरा फोकस सिर्फ उस पर ही रहता है.

बाबर आजम के अनुसार, स्ट्राइक रेट से लोग कभी संतुष्ट नहीं होंगे, उनकी डिमांड बढ़ती ही रहेगी. बाबर ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि लोगों को मेरी स्ट्राइक रेट बहुत दिक्कत होती है. 150 की स्ट्राइक रेट पर खेलेंगे तो लोग कहेंगे 170 होना चाहिए, 170 पर खेलेंगे तो कहेंगे 200 होना चाहिए.

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम को 4-2 से हराया

पर्थ, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम यहां पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के अपने दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-4 से हार गई। भारत सीरीज में 0-2 से पिछड़ गया है। उसे पहले मैच में 1-5 से हार का सामना करना पड़ा था। ऑस्ट्रेलिया के लिए जेरेमी हेवर्ड (6, 34), जैकब एंडरसन (42) और नाथन एफ्राम्स (45) ने गोल किये , जबकि भारत के लिए जुगराज सिंह (9और कप्तान हरमनप्रीत सिंह (30) ने एक-एक गोल किया।

मैच की शुरुआत भारत ने आक्रामक की और ऑस्ट्रेलिया के डिफेंस को पूरी चुनौती दी। हालांकि, मेजबान टीम के लिए जेरेमी हेवर्ड (6) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया और टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। वहीं, भारत ने शुरुआत में कई मौके गंवाए। भारत ने जवाबी हमलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी रणनीति में थोड़ा बदलाव किया, जिसका टीम को फायदा मिला और जुगराज सिंह (9) ने एक बेहतरीन पेनल्टी कॉर्नर के साथ स्कोर बराबर कर दिया।

कुछ ही समय बाद, अभिषेक के पास भारत को बढ़त दिलाने का सुनहरा मौका था क्योंकि उन्होंने खुद को डी क्षेत्र के अंदर एक मजबूत स्थिति में रखा और उन्हें केवल गोलकीपर को छकाना था, लेकिन उनका शक्तिशाली शॉट लक्ष्य से थोड़ा चूक गया। पहला क्वार्टर 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर के दौरान, दोनों टीमों ने अपनी आक्रामक गति बनाए रखी और लगातार एक-दूसरे की डिफेंस को चुनौती दी।

हालांकि, यह भारत ही था जिसने हाफ टाइम से पहले से दूसरा गोल दागा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह (30) ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए पेनल्टी कॉर्नर को सटीकता और ताकत से गोल में तब्दील कर स्कोरलाइन को अपनी टीम के पक्ष में 2-1 कर दिया। खेल में अपनी स्थिति फिर से हासिल करने के लक्ष्य के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में अपना आक्रमण तेज कर दिया। उनके प्रयास सफल रहे क्योंकि जेरेमी हेवर्ड (34) ने पेनल्टी कॉर्नर से मैच का अपना दूसरा गोल किया।

इसके बाद, जैकब एंडरसन (42) ने मेजबान टीम को 3-2 की बढ़त दिला दी। अंतिम क्वार्टर की समाप्ति से ठीक पहले, नाथन एफ्रैम्स (45) ने ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को 4-2 तक बढ़ा दिया। भारत ने वापसी के लिए ऑस्ट्रेलिया पर पूरा जोर लगाया और बार-बार गोल के करीब पहुंचे। हालांकि, भारत के लगातार हमलों के बावजूद ऑस्ट्रेलिया का डिफेंस मजबूत रहा और भारत की हर कोशिश नाकाम कर दी। भारत दौरे के अपने तीसरे मैच में 10 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

भारतीय टेनिस स्टार

सुमित नागल ने रचा इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने एक और इतिहास रचते हुए क्ले कोर्ट पर खेले जाने वाले मोंटे कार्लो मास्टर्स के मुख्य दौर में प्रवेश कर लिया है।

वह इस टूर्नामेंट के मुख्य दौर में पहुंचने वाले 42 वर्ष में पहले भारतीय हैं। इससे पहले इस टूर्नामेंट के मुख्य दौर में खेलने वाले रमेश कृष्णन अंतिम भारतीय थे। वह यहां 1982 में खेले थे, लेकिन उन्हें पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा था।

एक सेट गंवाकर की वापसी

विश्व नंबर 95 सुमित ने क्वालिफाइंग दौर के फाइनल में विश्व नंबर 55 अर्जेंटीना के डियाज अकोस्टा को 7-5, 2-6, 6-2 से परास्त कर मुख्य दौर में प्रवेश किया। नागल की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वह पहले सेट में एक समय 2-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए बाकी सभी गेम जीत 7-5 से यह सेट अपने नाम किया।

दूसरा सेट गंवाने के बाद वह निर्णायक सेट में फिर लय में आए और जीत हासिल कर ली। वह मुख्य ड्रॉ के पहले पहले दौर में दुनिया के 35वें नंबर के खिलाड़ी इटली के माटियो अर्नाल्डी से भिड़ेंगे।

अपनी उपलब्धि से रोमांचित हुए नागल

नागल अपनी इस उपलब्धि से काफी रोमांचित हुए। उन्होंने अपनी जीत के बाद एक्स पर पोस्ट डाल लिखा, मोंटे कार्लो के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाकर रोमांचित हूं।

मैं भारत और दुनिया भर से मिले समर्थन और शुभकामनाओं की सराहना करता हूं। अब अगले मैच का इंतजार नहीं कर पा रहा हूं।

पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे थे नागल

नागल ने इस साल की शुरुआत में वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के दौरान भी इतिहास रचा था। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर से पहली बार आगे बढ़ पाए थे। 2021 में भारतीय स्टार को शुरुआती दौर में लिथुआनिया के रिकार्डस बेरांकिस के हाथों 2-6, 5-7, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, नागल पहले भी किसी ग्रैंडस्लैम इवेंट के दूसरे दौर में खेल चुके हैं।

नागल ने 2020 यूएस ओपन में ऐसा किया था, जहां वह दूसरी वरीयता प्राप्त डोमिनिक थिएम से 6-3, 6-3, 6-2 से हार गए थे। हालांकि ऑस्ट्रेलियन ओपन में नागल का सफर दूसरे दौर में समाप्त हो गया था।

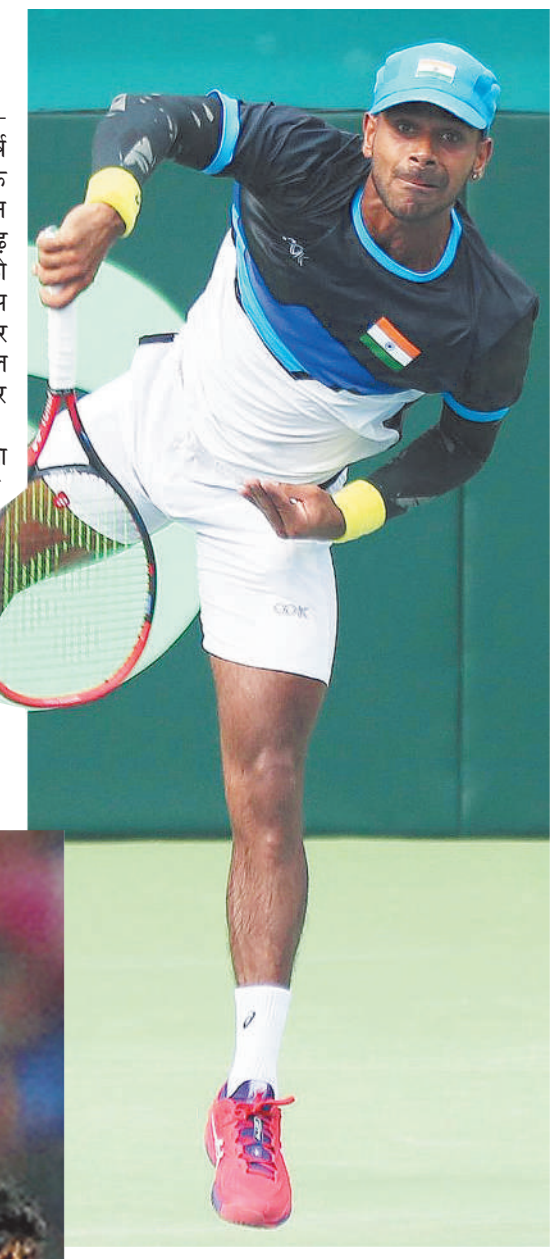

आईपीएल 2024

यश ठाकुर के शानदार खेल से लखनऊ ने गुजरात को 33 रन से हराया

लखनऊ, एजेंसी। यहां के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 21वें मैच में यश ठाकुर के 30 रन, पांच विकेट और करुणाल पंड्या के तीन विकेट की मदद से लखनऊ सुपर जायंट्स ने रविवार को गुजरात टाइटंस को 33 रनों से हरा दिया।

जीत के लिए 164 रनों का पीछा करते हुए लखनऊ की आर से साईं सुदर्शन ने नवीन-उल-हक की गेंदों पर दो चौके लगाए। मयंक यादव तीसरा ओवर फेंकने आए और अपना पहला ओवर पूरा करने के बाद साइड स्ट्रेन के कारण मैदान से बाहर चले गए। शुभमन गिल डीप थर्ड की रैंप वाइड के साथ आगे बढ़े। पहले ओवर में मयंक की गति बमुश्किल 140 किमी प्रति घंटे से ऊपर हो पाई, क्योंकि वह अपना पहला ओवर पूरा करने के बाद सीधे मैदान से बाहर चले गए।टाइटंस के कप्तान ने जब लाइन के पार फ्लिक करने की कोशिश की तो 19 पर आउट हो गए।

पावरप्ले के समापन पर गिल की टीम 1 विकेट पर 54 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी। एम. सिद्धार्थ को गेंदबाजी में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपने दूसरे और पारी के पांचवें ओवर में तीन बार गेंदबाजी लाइन को पार किया, लेकिन केवल 12 रन देने में सफल रहे। सातवें ओवर की समाप्ति के बाद सुदर्शन शानदार फॉर्म में दिखे और उन्होंने 18 गेंदों में 29 रन बनाए।

रवि बिश्नोई ने टाइटंस के केन विलियमसन को आउट करने के लिए एक शानदार रिटर्न कैच लिया।साईं सुदर्शन और बीएस शरथ, दोनों करुणाल पंड्या के शुरुआती ओवर में आउट हो गए, जिससे खेल में क्रांतिकारी बदलाव आया।

आईपीएल 2024 में पहली जीत के साथ मुंबई इंडियंस ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड

मुंबई, एजेंसी। रविवार को मुंबई इंडियंस बल्लेबाजों ने वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2024 की अपनी पहली जीत दर्ज की. बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 234/5 का स्कोर बनाया. जवाब में दिल्ली आठ विकेट पर 208 रन बनाकर 29 रन से मैच हार गई.

मैच के दौरान मुंबई टीम ने एक शानदार कीर्तिमान भी हासिल किया. दरअसल मुंबई इंडियंस का बनाया 234 रन का स्कोर आईपीएल इतिहास में किसी भी टीम का बनाया सर्वाधिक टोटल है जहां उनके किसी भी बल्लेबाज ने अर्धशतक ना पूरा किया हो. दिल्ली के खिलाफ मैच में मुंबई के लिए रोहित शर्मा ने 49, टिम डेविड ने 45, ईशान किशन ने 42, कप्तान हार्दिक पांड्या और रोमारियो शेफर्ड ने 39-39 रन बनाए लेकिन कोई भी बल्लेबाज 50 का आंकड़ा पार नहीं कर सका.

टी20 क्रिकेट में बिना अर्धशतकीय पारी के टीम का सर्वोच्च स्कोर

आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस 234/5 बनाम दिल्ली कैपिटल्स

दिल्ली के लिए पृथ्वी शॉ ने 40 गेंदों में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 66 रन बनाए और ट्रिस्टन स्टब्स ने 25 गेंदों में तीन चौके और सात छक्कों के साथ नाबाद 71 रन ठोके लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई सहयोग नहीं मिला. दिल्ली ने गेराल्ड कोएत्जी के पारी के आखिरी ओवर में तीन विकेट गंवाए. कोएत्जी 34 रन पर चार विकेट लेकर सबसे सफल रहे.

जसप्रीत बुमराह ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में मात्र 22 रन देकर दो विकेट लिए. बुमराह ने बेहतरीन यॉर्कर पर पृथ्वी शॉ को बोल्ड किया. कप्तान ऋषभ पंत का पांचवें नंबर पर आना दिल्ली को भारी पड़ा और पंत मात्र एक रन बनाकर कोएत्जी का शिकार बन गए.

तीसरे नंबर पर भेजे गए अभिषेक पोरेल ने धीमा खेलते हुए 31 गेंदों में पांच चौकों के सहारे 41 रन बनाये.

मुझे एक ईमानदार और खूबसूरत जीवनसाथी की तलाश है

घर बसाने को तैयार हैं नोरा

नोरा फतेही बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। पिछले दिनों जब उनसे पूछा गया कि वे अपने जीवनसाथी में किन गुणों को देखना चाहती हैं। इस सवाल के जवाब में नोरा कहती हैं, पहले मैं जिस तरह से सोचती थी अब वह बिल्कुल बदल गया है। नोरा फतेही आज बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। बतौर डांसर अपने करियर की शुरुआत करने वाली नोरा आज फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभाती नजर आ रही हैं।

हाल ही में नोरा कॉमेडी फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में दिखी थीं। दर्शकों को इस फिल्म में उनका किरदार काफी पसंद आया था। पिछले दिनों अभिनेत्री एक इंटरव्यू के दौरान अपनी निजी जिंदगी और अपनी शादी के बारे में खुलकर बातें करती दिखीं।

समय के साथ नोरा के बदले हैं विचार

नोरा फतेही बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। पिछले दिनों जब उनसे पूछा गया कि वे अपने जीवनसाथी में किन गुणों को देखना चाहती हैं।

इस सवाल के जवाब में नोरा कहती हैं, पहले मैं जिस तरह से सोचती थी अब वह बिल्कुल बदल गया है। मैं प्यार और शादी के मामले में एकदम पुराने ख्याल रखती हूं। मैं भी शादी करके घर बसाना चाहती हूं।

दिल का अच्छा होना है जरूरी

नोरा अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं एक ऐसे जीवनसाथी की तलाश में जो ईश्वर में विश्वास रखता हो। साथ ही साथ उसकी परवरिश अच्छी हुई हो। मेरे लिए पैसे बाद में आते हैं उससे पहले मेरे लिए इंसान का दिल से अच्छा होना जरूरी है। सच कहूं तो आज की दुनिया में मतलबी लोग ज्यादा मिलते हैं जो आपका फायदा उठाना चाहते हैं।

क्यों लिया आमिर से तलाक किरण राव ने फिर खोले राज

आमिर खान की पूर्व पत्नी किरण राव इन दिनों मीडिया में अपनी फिल्म लापता लेडीज और आमिर खान से तलाक को लेकर खासी सुर्खियों में हैं। किरण राव ने 14 साल बाद निर्देशन में वापसी की है। कुल 6 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 15 करोड़ का कारोबार करते हुए न सिर्फ अपनी लागत निकालने में सफलता पाई है अपितु अब मुनाफा भी कमा रही है। अपनी फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक साक्षात्कार में किरण राव ने आमिर खान से तलाक की वजह बताते हुए कहा मुझे ये फैसला लेते वक्त जरा भी डर नहीं लगा।

एक इंटरव्यू में किरण राव ने आमिर खान से अपने तलाक पर कहा - मुझे आमिर से तलाक लेते वक्त बिलकुल भी डर नहीं लगा था। इसी के साथ किरण राव ने उस जिम्मेदारी के बारे में बात की जो कि हर शादीशुदा महिला को निभानी पड़ती है। किरण राव ने कहा - शादी से एक साल पहले मैं आमिर खान के साथ रही थी। उस समय हम दोनों को पता था कि अगर हम अलग अलग इंडिविजुवल की तरह अच्छा काम कर रहे हैं। वैसा ही काम हम एक कपल की तरह भी करेंगे। शादी इसलिए भी जरूरी थी क्योंकि सोसाइटी में रहने के लिए उसके नियमों का पालन करना पड़ता है। इसके साथ ही शादी बच्चों के लिए भी जरूरी थी। किरण ने कहा - हमने शादी से पहले हर एक चीज को लेकर डिस्कशन किया था, लेकिन एक चीज ऐसी थी जो हमसे छूट गई थी।

वो थी शादी के बाद लड़कियों पर आने वाली जिम्मेदारी। शादी के बाद ये सिर्फ एक महिला की जिम्मेदारी तो नहीं कि वो घर को साफ रखे, सबको मिला-जुला कर रखे। किरण ने आगे कहा- मैं और आमिर हम दोनों अलग-अलग बहुत अच्छे दोस्त हो सकते हैं हम एक दूसरे की रिस्पेक्ट करते हैं ये रिस्पेक्ट और लगाव हमारे बीच हमेशा रहेगा। मैं खुश हूं कि हम दोनों समय रहते इस बात को समझ गए कि तलाक होने से रिश्ते खत्म नहीं होते।

इम्तियाज ने शेयर किए रहमान के साथ स्टूडियो के जादुई पल

लेखक इम्तियाज अली इन दिनों अपनी आगामी स्ट्रीमिंग फिल्म अमर सिंह चमकीला की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने संगीत सत्र के दौरान हुए एक अनुभव के बारे में खुलकर बात की। फिल्म निर्माता ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि विदा करो गाने को बनाने की प्रक्रिया कुछ और थी। यह गाना दिलजीत दोसांझ द्वारा निभाए गए मुख्य किरदार के अंतिम क्षणों के दौरान आता है। इम्तियाज ने बताया, मेरे लिए वह जादुई क्षण था, जब रहमान सर ने आधी रात में कहा, चलो लाइटें बंद करें और मोमबत्तियां जलाएं। फिर वह पियानो बजाने लगे। वहां रहमान सर, मैं और इरशाद (गीतकार इरशाद कामिल) थे और हम एक सिचुएशन पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा, इस तरह अमर सिंह चमकीला में विदा करो आया। जादुई ढंग से इरशाद ने तभी गीत लिखा। पूरा अनुभव कुछ और ही था।

संक्षिप्त समाचार

सुविधा पोर्टल पर प्रचार गतिविधियों के लिए मिले 73 हजार आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से उसके सुविधा पोर्टल पर विभिन्न प्रचार गतिविधियों के लिए अनुमति के लिए 73 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

आयोग ने कहा कि पार्टियों और उम्मीदवारों द्वारा जमा किए गए आवेदनों में रैली मैदान बुक करने, अस्थाई पार्टी कार्यालय खोलने और वीडियो प्रचार वैन संचालित करने के अनुरोध शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि पार्टियों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए 44,600 से अधिक अनुरोधों को मंजूरी दे दी गई है। आयोग द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि प्राप्त कुल अनुरोधों में से लगभग 11,200 को अस्वीकार कर दिया गया। 10,819 आवेदन रद्द कर दिए गए थे।

सबसे जयादा अनुरोध तमिलनाडु से प्राप्त हुए। इसके बाद बंगाल का स्थान रहा। सुविधा पोर्टल ने उम्मीदवारों और पार्टियों द्वारा अनुमतियां और सुविधाएं प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर दिया है।

माचिस नहीं देने पर युवक की चाकू घोपकर हत्या, आरोपी पहले भी कंधा टकराने पर कर चुका है मर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तिमारपुर इलाके में एक मामूली विवाद में एक 21 वर्षीय युवक की शनिवार को कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि तिमारपुर इलाके में शनिवार सुबह नाबालिगों ने माचिस नहीं देने पर अंशुल भाटी नाम के युवक की चाकू घोपकर हत्या कर दी। अंशुल भाटी को गंभीर हालत में हिंदू राव अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने 12 घंटे में दोनों आरोपियों को दबोच लिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 19 वर्षीय अंशुल कुमार परिवार सहित जगतपुर एक्सटेंशन में रहता था। परिवार दूध के कारोबार से जुड़ा है और वह भी इसमें हाथ बंटाता था। शुक्रवार रात वह दोस्तों के साथ घूमते हुए तिमारपुर गोल मार्केट के पास पार्क में बैठ गया। इसी दौरान नाबालिग भी साथी के साथ आ गया और अंशुल से माचिस मांगने लगा, लेकिन उसने मना कर दिया। इसी बात पर झगड़ा शुरू हो गया। देखते ही देखते नाबालिग ने साथ मिलकर अंशुल पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए और फरार हो गए। लोगों ने घायल को अरुणा आसफ अली अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने युवक के भाई की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया। साथ ही, एसीपी नीरव पटेल की देखरेख में इंस्पेक्टर पंकज तोमर की टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से सिग्नेचर ब्रिज के नीचे बने पार्क से आरोपियों को दबोच लिया। यहां पर दोनों मोबाइल पर फिल्म देख रहे थे। जांच में सामने आया कि साढ़े 15 साल के एक नाबालिग ने दशहरे की रात तिमारपुर इलाके में एक युवक की हत्या की थी। उसने कंधा टकराने पर इस वारदात को अंजाम दिया था।

एमडीएमके ने जारी किया चुनावी घोषणापत्र, कच्चातिवु द्वीप की वापसी की मांग की

चेन्नई। एमडीएमके के संस्थापक और विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के नेता वाइको ने कहा है कि मेरी पार्टी श्रीलंका से कच्चातिवु द्वीप को वापस लेने के पक्ष में है। वरिष्ठ नेता ने रविवार को तिरुचि में मीडियाकर्मियों से कहा कि वह चाहते हैं कि यह द्वीप तमिलनाडु को वापस दिया जाए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के घोषणापत्र अधिकारों के लिए नारा में द्वीप की पुन- प्राप्ति के लिए वकालत की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर 1974 में द्वीप को श्रीलंका को सौंपने का आरोप लगाने के बाद कच्चातिवु मुद्दा फिर से सामने आया है। पीएम मोदी ने द्वीप विवाद पर द्रमुक और कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि तमिलनाडु के सत्तारूढ़ गठबंधन दलों ने राज्य के हितों की रक्षा के लिए कुछ नहीं किया है। विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस के सहयोगी एमडीएमके ने अक्सर कहा है कि कांग्रेस ने बार-बार तमिलनाडु को धोखा दिया है। शनिवार को जारी अपने घोषणापत्र में वाइको ने कहा कि उनकी पार्टी कुडनकुलम में परमाणु ऊर्जा संयंत्र को बंद करने के पक्ष में है और कहा कि एमडीएमके चाहती है कि नई शिक्षा नीति को खत्म कर दिया जाए।

भारतीय नौसेना के लिए रूस में बन रहे दो घातक युद्धपोत

नईदिल्ली, एजेंसी। रूस में भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत तैयार किए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक ये युद्धपोत भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल हो जाएंगे। दरअसल इन युद्धपोतों को रूस द्वारा अब तक भारत को सौंपा जाना था लेकिन यूक्रेन से युद्ध के कारण इन्हें तैयार करने में देरी हो रही है। पहला युद्धपोत आईएनएस तुशिल के नाम से जाना जाएगा, जबकि दूसरा युद्धपोत आईएनएस तमाल होगा।

भारतीय टीम ने किया था रूसी शिपयार्ड का दौरा

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि भारतीय नौसेना की एक टीम ने हाल ही में रूस में शिपयार्ड का दौरा किया था। वहां इन युद्धपोतों को तैयार किया जा रहा है। नौसेना की टीम द्वारा परियोजना का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि काम अच्छी गति से चल रहा है और पहला युद्धपोत समुद्री परीक्षणों के लिए भी लांच किया जा चुका है। फिलहाल इसका इस्तेमाल रूसी नौसेना कर रही है।

इस कारण हो रही देरी

भारत को पहला युद्धपोत इस साल अगस्त के महीने में दूसरा युद्धपोत दिसंबर तक मिलने की उम्मीद है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष की वजह से इस परियोजना में देरी हुई है। अधिकारियों ने कहा कि रूस में बनाए जा रहे युद्धपोत के लिए यूक्रेन से इंजन मंगाया जाना था। भारतीय नौसैनिक शिपयार्ड से एक टीम को युद्धपोत पर इंजन फिट करने के लिए वहां भेजा गया था। पहले जहाज का रूसी नौसेना द्वारा परीक्षण किया जा रहा है और उम्मीद है कि जल्द ही इसे भारतीय नौसेना को सौंप दिया जाएगा।

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में भी चल रहा निर्माण कार्य

उधर, भारत के गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) में भी रूसी समर्थन से दो युद्धपोतों को बनाने का काम चल रहा है। उम्मीद है कि जीएसएल परीक्षण के लिए पहला युद्धपोत लॉन्च करेगा। बताया गया है कि इनकी डिलीवरी 2026 के मध्य तक पूरी करने की योजना है।

दिल्ली पुलिस ने दो लड़कियों को देह व्यापार के दलदल से बचाया, जीबी रोड भेजने वाले थे तस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और पश्चिम बंगाल पुलिस ने तस्करी के लिए लाई गईं दो लड़कियों को बचाया है। इनमें एक नाबालिग है। दोनों लड़कियां पश्चिम बंगाल के जोया नगर इलाके से अपहरण कर दिल्ली लाई गई थी। इस मामले में पश्चिम बंगाल निवासी एक दंपत्ति को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान मंजीला बीबी और हसन अली के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस ने बंगाल पुलिस और एनजीओ के साथ मिलकर शनिवार को सीलमपुर इलाके में छापेमारी कर इस मानव तस्करी रैकेट का खुलासा किया। उत्तरी-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस अपहृत लड़की की तलाश में दिल्ली पहुंची थी। बंगाल पुलिस ने दिल्ली पुलिस से मदद मांगी। इसके बाद दिल्ली पुलिस की टीम ने छानबीन के दौरान आरोपी हसन की पहचान की। उत्तर-पूर्वी दिल्ली की मानव तस्करी विरोधी इकाई और पश्चिम बंगाल पुलिस की संयुक्त टीम ने सीलमपुर में छापा मारकर इन लड़कियों को मानव तस्करों के चंगुल से बचाया। बताया जाता है कि लड़कियों में नाबालिग भी हैं। पुलिस का कहना है कि मंजीला बीबी और हसन अली नाम के आरोपी बंगाल और असम से लड़कियां लाकर उन्हें जीबी रोड पर देह व्यापार के दलदल में धकेलते थे। इन आरोपियों को पहले भी मानव तस्करी के आरोप में पकड़ा जा चुका है। आरोपियों ने लड़कियों को व्यस्क दिखाने के लिए उसका फेक आधार कार्ड भी बनवाया था।

कांग्रेस के लिए सिरदर्द बना दिल्ली की सीटों पर प्रत्याशियों का चयन? आलाकमान ने डीपीसीसी के पाले में डाली गेंद

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए दिल्ली की तीन सीटों पर कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नाम पर अंतिम फैसला नहीं ले पा रही है। पार्टी सूत्रों की मानें तो केन्द्रीय नेतृत्व ने एक बार फिर से दिल्ली कांग्रेस के पाले में गेंद डाल दी है। दिल्ली कांग्रेस से सभी सीटों पर एक-एक प्रत्याशी का नाम तय करके सूची देने को कहा गया है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस पार्टी पहली बार गठबंधन के तहत लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं।

गठबंधन के चलते आप को 4 और कांग्रेस के हिस्से में 3 सीटें आई हैं। आप ने अपने हिस्से की सीटों पर एक माह पहले ही प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है, लेकिन कांग्रेस तीनों सीटों पर उम्मीदवार का नाम तय नहीं कर पा रही है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की ओर से 31 मार्च को आयोजित लोकतंत्र बचाओ रैली के बाद कांग्रेस नेताओं का उत्साह बढ़ा है। इसके चलते उम्मीदवार अब ज्यादा मुखर होकर अपनी उम्मीदवारी

रख रहे हैं। दिल्ली कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी ने उम्मीदवारों के नाम भेजे थे, लेकिन शुक्रवार को हुई केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में इन नामों पर अंतिम फैसला नहीं हो सका है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, अब केन्द्रीय नेतृत्व ने फिर प्रदेश स्क्रीनिंग कमेटी को हर सीट पर सिर्फ एक-एक उम्मीदवार का नाम तय करके भेजने को कहा है। खासतौर पर उत्तर-पूर्वी दिल्ली सीट को लेकर सहमति न बनने की बात सामने आ रही है। इस सीट पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली और संदीप दीक्षित के अलावा कन्हैया कुमार का नाम प्रत्याशी के लिए चल रहा है।

महिला चेहरा नहीं होने से असमंजस: भाजपा ने दिल्ली की सात में से दो सीट पर महिला प्रत्याशी को टिकट दिया है, जबकि इंडिया गठबंधन की ओर से आप ने अपने हिस्से की चार सीटों पर महिला प्रत्याशी नहीं उतारी हैं। इसके चलते भी कांग्रेस पार्टी में महिला प्रत्याशी उतारने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि, पार्टी नेताओं का मानना है कि किसी तरह के प्रयोग के बजाय जीतने वाले प्रत्याशी पर दांव लगाना ही ज्यादा उचित होगा।

जेल में दूसरे कैदियों जैसे अधिकार नहीं, बाहर जाने पर भी पाबंदी; संजय सिंह ने वजन की भी बताई सच्चाई

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी जेल में बंद हैं। शराब घोटाले में सीएम के अलावा पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया भी जेल में हैं। इस बीच आप के लिए कुछ दिनों पहले अच्छी खबर यह आई कि पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को जमानत मिली और वो जेल से बाहर आ गए। जेल से बाहर आने के बाद अब संजय सिंह ने जेल में बिताए दिनों को याद करते हुए बताया है कि उन्हें शुरू में सामान्य कैदियों जैसे अधिकार भी नहीं थे।

शराब घोटाले में जमानत पर बाहर आए संजय सिंह ने बताया, शुरुआत के ग्यारह दिन जेल में जरूर तकलीफ हुई। लेकिन उसके बाद जो अधिकार सामान्य कैदियों के थे वही मेरे थे। शुरुआत के ग्यारह दिन में जो सामान्य कैदियों के पास अधिकार थे वो भी मेरे पास नहीं थे। यानी कि मैं जब गिनती खुलती थी सुबह छह बजे से लेकर 12 बजे तक तब उस वक्त भी मैं कही बाहर घूम नहीं सकता था जबकि बाकी लोग घूम सकते थे। दोपहर 3 बजे से लेकर शाम को 7 बजे तक जब गिनती खुलती थी तब भी मुझे नहीं निकलने देते थे। मुझे बैडमिंटन कोर्ट में नहीं जाने देते थे, बाद में वो सभी चीजें धीरे-धीरे ठीक हुईं। संजय सिंह ने कहा कि जेल में उनका वजन बढ़ गया था और इसमें कोई गलत बात नहीं है. संजय सिंह ने कहा, मेरा वजन 79 किलोग्राम था और जब मैं निकला हूं तो मेरा वजन 81.7 किलोग्राम था। यह सही आंकड़ा है। मुझे नहीं पता कि कहां से वो लोग छह किलोग्राम वाला आंकड़ा लेकर आए थे। मुझे लगता है कि बीजेपी वाले यह अच्छा संदेश दे रहे हैं कि इनके मत छेड़ों क्योंकि अगर ये जेल में जाएंगे तो भी अपने स्वास्थ्य को मजबूत कर हौसले के साथ बाहर निकलेंगे। इससे पहले न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में आप नेता संजय सिंह ने कहा था कि शुरुआती ग्यारह दिनों तक वो एक छोटी सी कोठरी में रहते थे और उन्हें बाहर जाने की अनुमति नहीं थी। संजय सिंह ने बताया था, मैं पुलिस की सुरक्षा में रहता था। बाद में आप नेता ने प्रशासन से बातचीत कर कहा था कि उन्हें भी सामान्य कैदियों की तरह अधिकार दिए जाएं। यह अधिकार मिलने के बाद उन्हें बैडमिंटन कोर्ट में जाने और म्यूजिक रूम में जाने की भी इजाजत मिल गई थी। संजय सिंह ने बताया था कि उन्होंने अपना ज्यादातर समय किताबें पढ़ने में बिताई। संजय सिंह को तिहाड़ जेल के दो नंबर जेल के सेल संख्या 28 में रखा गया था। हालांकि, बाद में उन्हें जेल नंबर पांच में शिफ्ट किया गया था। वो चौबीस घंटे सीसीटीवी की निगरानी में थे। बता दें कि शराब घोटाले में संजय सिंह को पिछले साल ईडी ने अक्टूबर के महीने में गिरफ्तार किया था।

अमेरिका में पूर्ण सूर्य ग्रहण देखने उमड़ी लोगों की भीड़

वाशिंगटन, एजेंसी। मेक्सिको से अमेरिका और कनाडा तक फैले एक संकरे गलियारे में लाखों दर्शक सोमवार को होने वाली खगोलीय घटना -पूर्ण सूर्य ग्रहण- का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं, जबकि पूर्वानुमानकर्ताओं ने बादल छाए रहने की आशंका जाहिर की है। वर्मोंट और मेन के साथ-साथ न्यू ब्रंसविक और न्यूफाउंडलैंड में ग्रहण के अंत में सबसे अच्छे मौसम की उम्मीद है। ऐसे में उत्तरी अमेरिका में, ग्रहण देखने वालों की अब तक की सबसे बड़ी भीड़ जुटने की उम्मीद है।

घनी आबादी वाले रास्ते, टेक्सास और अन्य पसंदीदा स्थानों में दोपहर में चार मिनट तक अंधेरा छाए रहने की उम्मीद आकर्षण का बड़ा कारण है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम विज्ञानी एलेक्सा मेन्स ने रविवार को क्लीवलैंड के 'ग्रेट लेक्स साइंस सेंटर में बताया, बादल छाए रहना पूर्वानुमान लगाने में सबसे कठिन चीजों में से एक है। कम से कम, बर्फबारी नहीं होगी।

डलास के बाहर एक ट्रेलर रिसॉर्ट में रह रहे गोथम (इंग्लैंड) के क्रिस लोमास ने कहा, यह सिर्फ अन्य लोगों के साथ अनुभव साझा करने के बारे में है। बदली छाई रहेगी या धूप खिलेगी इस अनिश्चितता ने रोमांच को और बढ़ा दिया है। पूर्ण सूर्य ग्रहण करीब चार मिनट 28 सेकंड तक रहेगा। सात साल पहले अमेरिका के तटीय क्षेत्र में दिखे सूर्य ग्रहण के नजारे से इस बार यह लगभग दोगुना ज्यादा समय तक दिखेगा। अमेरिका में इस तरह का अगला सूर्यग्रहण इसके बाद करीब 21 साल बाद नजर आएगा।

दक्षिण कोरिया ने अपना दूसरा सैन्य जासूसी उपग्रह किया प्रक्षेपित

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया द्वारा इस साल कई टोही उपग्रह प्रक्षेपित करने की अपनी योजना की पुष्टि किए जाने के कुछ दिनों बाद दक्षिण कोरिया ने अपना दूसरा सैन्य जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित कर दिया। उत्तर कोरिया ने पिछले साल नवंबर और दक्षिण कोरिया ने पिछले साल दिसंबर में अपना पहला जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित किया था। उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच बढ़ते तनाव के मध्य दोनों देशों ने कहा कि उनके उपग्रह एक-दूसरे पर नजर रखेंगे और उनकी मिसाइल से हमला करने की क्षमताओं को बढ़ाएंगे।

दक्षिण कोरिया का दूसरा जासूसी उपग्रह फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्थानीय समयानुसार रविवार शाम को प्रक्षेपित किया गया। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि उपग्रह को रॉकेट से सफलतापूर्वक अलग कर दिया गया है। 'स्पेसएक्स के साथ एक अनुबंध के तहत दक्षिण कोरिया को 2025 तक पांच जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने हैं। दक्षिण कोरिया का पहला जासूसी उपग्रह पिछले साल एक दिसंबर को कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से प्रक्षेपित किया गया था।

पेरिस के अपार्टमेंट में विस्फोट के बाद भीषण आग

अब तक तीन लोगों की मौत; मामले की जांच के लिए टीम गठित

पेरिस, एजेंसी। पेरिस में एक आठ मंजिला अपार्टमेंट में विस्फोट के बाद आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। यह विस्फोट रविवार शाम को हुआ। हालांकि, विस्फोट के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

विस्फोट के कारणों का नहीं चला पता

यह इमारत पेरिस के एरॉन्डिसमेंट में स्थित है। प्राथमिकी जांच के अनुसार, रू डी कैरोन की सातवीं मंजिल पर आग लगने से पहले एक विस्फोट हुआ। 11वें एरॉन्डिसमेंट के डिप्टी मेयर लुक लेबन ने कहा, पड़ोसियों को समझ नहीं आया कि यह विस्फोट कैसे हुआ, क्योंकि इमारत में गैस है ही नहीं। इस मामले की जांच आग या नुकसान पहुंचाने और जान से मारने के पहलु से भी की जा रही है। विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए राजधानी के दूसरे न्यायिक पुलिस जिले के जासूसों को नियुक्त किया गया है। विस्फोट के बाद आसपास के इमारतों में रहने वालों को घरों से बाहर निकाला गया। बाद में वे सुरक्षापूर्वक अपने घरों में वापस लौट आए। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में यह तीसरी बार है, जब फ्रांस की राजधानी में ऐसा विस्फोट हुआ है। इससे पहले 2019 में रू डी ट्रेविस में ऐसा विस्फोट हुआ था, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी। पिछले साल जून में 277 रू सेंट जैक्स में भी धमाका हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी।

हिमालय से मानव निर्मित कचरा साफ करेगी नेपाली सेना

माउंट एवरेस्ट समेत कई पहाड़ों पर 10 टन कचरा

काठमांडो, एजेंसी। नेपाली सेना पर्वतीय सफाई अभियान 2024 के तहत माउंट एवरेस्ट पर पड़े लगभग 10 टन कचरा व पांच शवों को इकट्ठा करेगी। मेजर आदित्य कार्की के नेतृत्व में 12 सदस्यीय टीम माउंट एवरेस्ट, माउंट ल्होत्से व माउंट नुप्से से कचरा लाने के लिए 14 अप्रैल को एवरेस्ट बेस कैंप के लिए रवाना होगी। 18 सदस्यीय शेरपा टीम सफाई अभियान में सेना की सहायता करेगी। नेपाली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल कृष्णा प्रसाद भंडारी ने रविवार को बताया कि 11 अप्रैल को काठमांडो में सेना प्रमुख जनरल प्रभुराम शर्मा हरी झंडी दिखाकर टीम को रवाना करेंगे। बायोडिग्रेडेबल कचरे को बेस कैंप के नीचे नामचे बाजार में लाया जाएगा। उसे उचित उपचार के लिए सागरमाथा प्रदूषण नियंत्रण समिति को सौंप दिया जाएगा। गैर-बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट व शवों को काठमांडो लाया जाएगा। सफाई अभियान के जरिये हिमालय में मानव निर्मित प्रदूषण को नियंत्रित करने में प्रभावी मदद मिलेगी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।